प्रयागराज, रविवार 02 मार्च 2025 से शनिवार 08 मार्च 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-08
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक
नगर संस्करण
13

24.02.2025

25.02.2025

26.02.2025

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

27.02.2025

28.02.2025

01.03.2025

45 दिन में तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, महाकुंभ के पलट प्रवाह के बीच नया रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
काशी । महाकुंभ के पलट प्रवाह से काशी में 45 दिनों तक भक्तों का सैलाब उमड़ा रहा। इस दौरान तीन करोड़

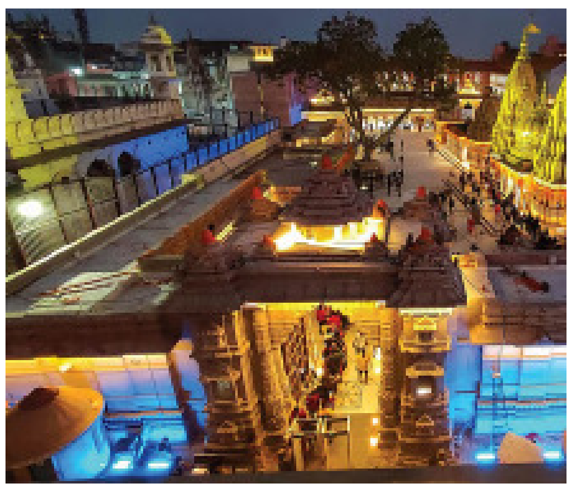

श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ धाम में हाजिरी लगाई। महाकुंभ के पलट प्रवाह के बीच श्री काशी विश्वनाथ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या ने नया रिकॉर्ड बना दिया। मंदिर प्रशासन से मिले आंकड़ों के मुताबिक 45 दिनों में तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। औसतन आंकड़ों की बात करें तो रोजाना साढ़े छह लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। मंदिर के इतिहास में श्रद्धालुओं की यह संख्या सबसे ज्यादा है। सावन से ज्यादा माघ और फाल्गुन में श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार महाशिवरात्रि और मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई। मौनी अमावस्या पर जहां 11 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आए, वहीं महाशिवरात्रि पर 46 घंटे में 17 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के झांकी दर्शन किए। 13 जनवरी से 19 फरवरी के बीच श्रद्धालुओं की संख्या दो करोड़ का आंकड़ा पार कर गई थी। 27 फरवरी को जारी आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़ा तीन करोड़ तक पहुंच गया। यानी आठ दिन (20 से 27 फरवरी) में ही एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आ गए। 2024 में सावन के महीने में 53.84 लाख भक्तों ने बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया था। 2023 में श्रद्धालुओं की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया था। चार जुलाई से शुरू सावन में 60 दिनों में 1.63 करोड़ 17 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए थे। 2022 में सावन के महीने में एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया।

राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा से होगा सर्वोदय स्कूलों में दाखिला, इस डेट तक भरे जाएंगे फॉर्म; जानें सब कुछ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा से सर्वोदय विद्यालयों में बच्चों का दाखिला होगा। कक्षा 6, 7, 8 और 9 में एडमिशन के लिए परीक्षा होगी। परीक्षा आयोजित करेगा। इस वर्ष से राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिले होंगे। कक्षा 6, 7, 8 और 9 में एडमिशन के लिए 15 मार्च तक ऑनलाइन फॉर्म भरे जा सकते हैं। परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा सके।के बालक, बालिकाओं के लिए अलग-अलग आवासीय विद्यालाओं की सुविधा उपलब्ध है। विद्यालयों में बच्चों को निःशुल्क भोजन, आवास

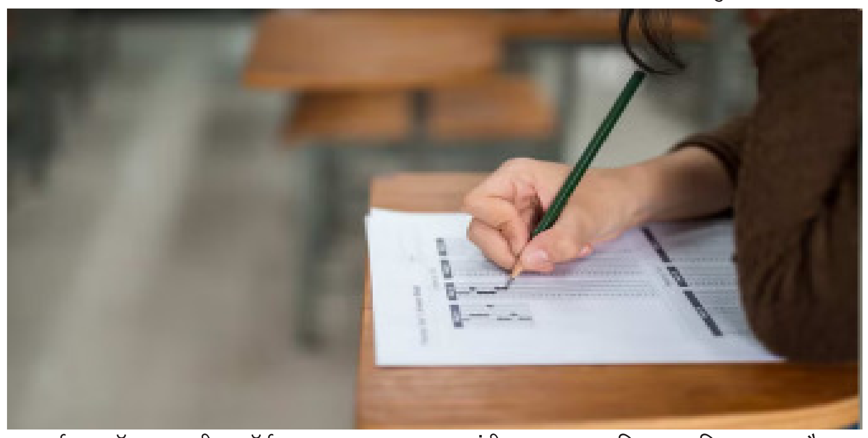

15 मार्च तक ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरे जा सकेंगे। विद्यालयों में निःशुल्क भोजन, आवास आदि की सुविधा होगी। उत्तर प्रदेश में संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए समाज कल्याण विभाग समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि अभ्युदय कोचिंग के अंतर्गत जेईई/नीट की करियर काउंसिलिंग की सुविधा भी मिलेगी। ताकि छात्र-छात्राओं को शुरू से ही प्रतियोगी आदि प्रदान किया जाता है। इन विद्यालयों में अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 60 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 25 प्रतिशत एवं सामान्य वर्ग के लिए 15 प्रतिशत सीट आरक्षित हैं।

दरिंदों के डर से बदला था नाबालिग ने रास्ता, दो माह पहले शिवम से हुई दोस्ती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। गोरखपुर में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म की कोशिश की गई। चीखने पर भीड़ ने युवकों को पीट दिया। खोराबार के दोस्त के बुलाने पर किशोरी मिलने गई थी। पुलिस

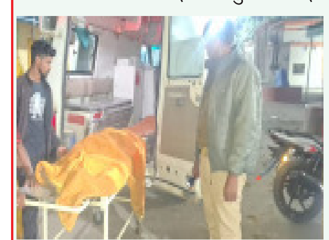

मामले की छानबीन कर रही है। गोरखपुर के खोराबार इलाके में दोस्त के बुलाने पर गई किशोरी से दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया। किशोरी से उसके दोस्त समेत चार युवकों ने दुष्कर्म की कोशिश की, इसी समय भीड़ आ गई। दो युवकों को भीड़ ने पकड़ लिया और उनकी पिटाई कर दी। इसमें घायल प्रेमी और उसके दोस्त को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, किशोरी का भी पुलिस मेडिकल करा रही है। खोराबार पुलिस का कहना है कि दो घायल युवकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य दो आरोपियों की तलाश की जा रही है।जानकारी के मुताबिक, खोराबार इलाके के डोलबजवा गांव के बंधे के पास शुक्रवार शाम करीब छह बजे घटना हुई। किशोरी से शिवम गुप्ता नाम के युवक से बातचीत होती थी। उसने बातों में उलझा कर किशोरी को शुक्रवार को मिलने के लिए बुलाया था। वहां पर उसके तीन दोस्त पहले से मौजूद थे। आरोप है कि चार युवकों को देखकर किशोरी घबरा गई और फिर सभी ने मिलकर किशोरी का मुंह दबा दिया, जिससे वह बेहोश हो गई। सभी उसके साथ छेड़छाड़ करते हुए दुष्कर्म की कोशिश करने लगे, तभी उधर से गुजर रहे ग्रामीणों की नजर पड़ गई। किशोरी को बचाने के साथ ही आरोपियों को ग्रामीणों ने दौड़ा लिया। शुभम और उसके दोस्त पंकज यादव को मौके पर ग्रामीणों ने पकड़ लिया और उनकी पिटाई शुरू कर दी। मारपीट होता देखकर एक ग्रामीण ने घटना की जानकारी पुलिस को दे दी।

45 दिन में हो गई सालभर की कमाई, 29 लाख यात्रियों ने किया सफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। महाकुंभ से रोडवेज मालामाल हो गया है। महाकुंभ में 29 लाख यात्रियों ने रोडवेज बसों से सफर किया। ऐसे में 45 दिन में ही सालभर की कमाई हो गई। रोडवेज वाराणसी परिक्षेत्र की बसों से पिछले एक साल में जितने यात्रियों ने सफर नहीं किया था, उतना सिर्फ महाकुंभ के 45 दिनों में 24 लाख 42 हजार यात्रियों ने सफर किया था, इस महाकुंभ में 29 लाख दो हजार यात्रियों ने सफर किया। सबसे अधिक वाराणसी ग्रामीण डिपो से 5.50 लाख यात्रियों ने सफर किया और इनकम भी 7.41 करोड़ रुपये की हुई कैंट डिपो से 3.23 लाख यात्री और 5.13 करोड़ की आय हुई। काशी डिपो से 3.40 लाख यात्री

में किया। महाकुंभ में 29.02 लाख यात्रियों ने वाराणसी परिक्षेत्र से सफर किया। 38 करोड़ 76 लाख की रोडवेज वाराणसी परिक्षेत्र को आमदनी हुई। इसमें ग्रामीण डिपो ने सबसे अधिक बाजी मारी है। यानी एक साल में जितनी कमाई होती है उससे ज्यादा 45 दिन में हो गई।रोडवेज वाराणसी परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक परशुराम पांडेय ने बताया कि वर्ष 2024 की वार्षिक आमदनी 30 करोड़ 76 लाख 22 हजार रुपये थी। इस महाकुंभ के 45 दिनों में ही 38 करोड़ 76 लाख रुपये की आमदनी हो गई।वर्ष 2024 और 5.81 करोड़ रुपये की आमदनी हुई। इसके साथ ही चंदौली डिपो की आय 2.45 करोड़ और 1.86 लाख यात्रियों ने आवाजाही की। गाजीपुर डिपो से 3.14 लाख यात्रियों ने आवाजाही की और 4.55 करोड़ की आय हुई। जौनपुर की आय 5.63 करोड़ और 5.33 लाख यात्रियों ने आवाजाही की। सोनभद्र डिपो से 3.41 लाख यात्रियों की आवाजाही और 4.37 करोड़ की आय हुई। विंध्यनगर डिपो की आय 3.39 करोड़ और 2.15 लाख यात्रियों ने सफर किया।

अब निजी हाथों में जाएगी जलापूर्ति व्यवस्था, दो शहरों को योजना से लैस करने की तैयारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। उत्तर प्रदेश के दो शहरों में जलापूर्ति व्यवस्था निजी हाथों में देने की तैयारी है। नगर में जलापूर्ति

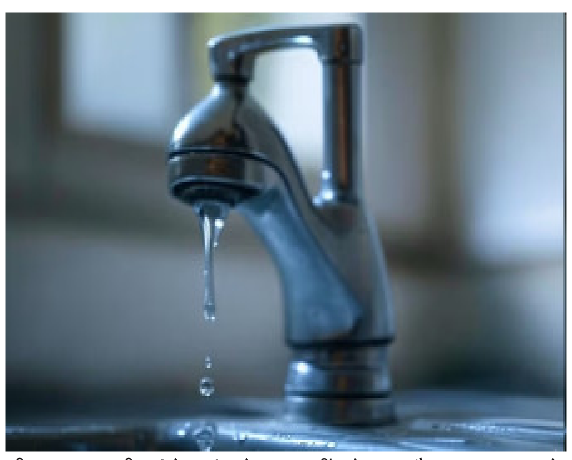

की सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन (स्काडा) सिस्टम से स्मार्ट मॉनीटरिंग की जाएगी।आने वाले दिनों में शहर की जलापूर्ति व्यवस्था प्राइवेट हो जाएगी। इसके लिए प्रदेश के दो शहरों का चयन किया गया है। लखनऊ और वाराणसी में जलापूर्ति की व्यवस्था पूरी तरीके से ऑटोमेटिक कर दी जाएगी। वाराणसी में गंगा से पानी खींचकर लाने, साफ करने और उसे पानी की टंकियों में भरकर आपूर्ति करने की व्यवस्था स्काडा के जरिये होगी। इस पूरी व्यवस्था में कोई व्यक्ति नहीं होगा। मौजूदा जलकल के कर्मचारी और अधिकारी मॉनीटरिंग और लीकेज जैसी व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराएंगे।पिछले दिनों नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने सर्किट हाउस में हुई बैठक में अधिकारियों से इस पर चर्चा की थी।नगर में जलापूर्ति की सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन (स्काडा) सिस्टम से स्मार्ट मॉनीटरिंग की जाएगी। इससे घरों में पानी का प्रेशर कम होने या पेयजल लाइन लीक होने की तुरंत सूचना मिलेगी। पेयजल समस्याओं के निवारण और जल संरक्षण के लिए स्काडा सिस्टम कारगर साबित होगा। पेयजल व्यवस्था की निगरानी के लिए सभी घरों के वाटर मीटर, ट्यूबवेल, वॉल्व, टंकी आदि जगहों पर चिप-सेंसर लगाने के साथ मॉनीटरिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। कंप्यूटर की एक कमांड पर पेयजल वितरण प्रणाली काम करेगी। स्काडा सिस्टम से हर घर में पानी की ऑनलाइन निगरानी होगी। इसके लिए हर घर की एक आईडी बनाई गई है। इसमें परिवार के सदस्यों की संख्या समेत सभी जरूरी जानकारियां फीड की जाएंगी। इसके माध्यम से घर आने वाले पानी की मात्रा, खपत, प्रेशर और पेयजल समस्या की जानकारी ऑनलाइन मिल सकेगी। पेयजल समस्या का भी शीघ्र समाधान किया जा सकेगा। स्काडा सिस्टम लगने से शहर में संचालित ट्यूबवेल ऑटोमेटिक ऑन-ऑफ होंगे। पूरे शहर में एक साथ पानी की सप्लाई शुरू होगी और बंद होगी। कहीं पानी जा रहा है और कहीं पानी बंद पड़ा है, ऐसी स्थिति नहीं रहेगी।

संसदीय कार्यमंत्री बोले- कंपनी बदलने पर नहीं बदले जाएंगे आउटसोर्स कर्मी, शासनादेश जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। विधानसभा कार्यवाही के दौरान संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना

ने कहा कि कंपनी बदलने पर आउटसोर्स कर्मियों को बदलना नियम विरुद्ध हैं। इसके लिए शासनादेश जारी कर दिया गया है। राजधानी लखनऊ स्थित विधानसभा में संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी बदलने पर आउससोर्स वाले कर्मचारियों को निकालना नियम विरुद्ध है। राज्य सरकार ने दिसंबर, 2019 में जारी शासनादेश में इसकी व्यवस्था कर दी थी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के विभागों में आउटसोर्सिंग वाले कर्मचारियों की आरक्षण की व्यवस्था पहले से है। खन्ना सपा सदस्य महेंद्र सिंह यादव की ओर से सरकारी विभागों में आउटसोर्सिंग वाले कर्मचारियों के आरक्षण प्रदान किए जाने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। वहीं दूसरी ओर श्रम मंत्री अनिल राजभर ने सपा सदस्य शहजिल इस्लाम द्वारा उद्योगों, निजी अस्पतालों, अपार्टमेंट, शॉपिंग माल में कर्मचारियों से अधिक घंटे तक काम लेने और न्यूनतम निर्धारित दर से कम मजदूरी देने को लेकर सवाल पूछा। इस पर श्रम मंत्री ने कहा कि ज्यादा घंटे काम लेने और कम मजदूरी देने की शिकायत पर विभाग द्वारा कार्रवाई की जाती है। विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण भी कराया जाता है। बीते वर्ष 29 हजार निरीक्षण कराए गए। 10,734 वाद अदालत में दायर किए गए।

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को हाईकोर्ट से राहत, सरकार की अर्जी पर आपराधिक मुकदमा किया गया खत्म

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। राज्य सरकार की अर्जी पर आपराधिक मुकदमा खत्म कर दिया गया। उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत दी है। अदालत ने उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे को समाप्त कर दिया है। कोर्ट ने यह आदेश मुकदमे को वापस लेने की राज्य सरकार की अर्जी पर दिया। इससे पहले निचली अदालत ने सरकार के मुकदमा वापस लेने संबंधी प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने निचली अदालत के इस आदेश को भी निरस्त कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान की एकल पीठ ने पूर्व सांसद की याचिका पर दिया। याची के विरुद्ध गोंडा जिले की नगर कोतवाली में वर्ष 2014 में आईपीसी की धारा 188 व 341 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने सीआरपीसी की धारा 144 का उल्लंघन करते हुए, लोक सेवक के घोषित आदेश की अवहेलना की व सदोष अवरोध (बाधा) उत्पन्न किया। मामले में पुलिस ने विवेचना कर सांसद के खिलाफ निचली अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसका संज्ञान लेते हुए गोंडा के एसीजेएम प्रथम ने 22 जनवरी 2018 को बृजभूषण को हाजिर होने के लिए समन जारी किया था। पूर्व सांसद ने आरोप पत्र व समन आदेश को पहले भी हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इस पर 20 अगस्त 2022 को हाईकोर्ट ने लोक सेवक के आदेश की अवहेलना के आरोप को निरस्त कर दिया था। साथ ही निचली अदालत को आदेश दिया था कि यदि याची अपराध स्वीकार करता है तो उसे कारावास की सजा देने के बजाय, सिर्फ जुर्माना लगा के कार्रवाई को समाप्त कर दिया जाए।

हत्या के दोषी को उम्रकैद, पैसे के लेनदेन के विवाद में ईंस से प्रहार कर ली थी किशोर की जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी जिले में हत्या के पांच साल पुराने मामले में दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। अदालत ने उस पर 10 हजार रुपये

अर्थदंड भी लगाया है। पैसे के लेनदेन के विवाद में किशोर की ईंट से प्रहार कर हत्या के मामले में अदालत ने एक अभियुक्त को दंडित किया है। अपर जिला जज (प्रथम) अनिल कुमार पंचम की अदालत ने मुकदमे के विचारण के बाद खोजवां निवासी अभियुक्त नट्टू जायसवाल को दोषी पाने पर आजीवन कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड अदा न करने पर अभियुक्त को छह माह अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी पड़ेगी। बजरडीहा निवासी नुरुल हक अंसारी ने भेलूपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई था। आरोप था कि उसका 15 साल का छोटा भाई मोहम्मद इरशाद लॉकडाउन के पहले से घर से बाहर चला गया था। 23 मई 2020 की शाम घर के पास दिखाई दिया था, लेकिन घर नहीं आया। 24 मई 2020 की सुबह सूचना मिली कि उसके भाई का शव चौभड़वा पोखरी के पास एक खाली प्लॉट में पड़ा है। मौके पर जाकर देखा तो उसके भाई के चेहरे पर चोट का निशान था और खून बह रहा था। उसके भाई की हत्या की गई थी। अभियुक्त नट्टू जायसवाल का नाम प्रकाश में आने पर उसके खिलाफ हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया था। अभियोजन की ओर छह गवाह पेश किए गए।

चौथी बार बढ़ाया गया अवनीश अवस्थी का कार्यकाल, एक वर्ष तक और बने रहेंगे सीएम योगी के सलाहकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी का कार्यकाल चौथी बार बढ़ा दिया गया है। वह अगले एक वर्ष तक सीएम योगी के सलाहकार बने रहेंगे। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के सलाहकार रिटायर्ड आईएएस अवनीश अवस्थी का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। विशेष सचिव विजय कुमार ने आदेश पत्र जारी करके यह जानकारी साझा की। अब अवनीश अवस्थी का कार्यकाल 28 फरवरी 2026 तक हो गया है। उनका चौथी बार सेवा विस्तार किया गया है। योगी सरकार के पहले कार्यकाल में अवनीश अवस्थी के पास गृह के साथ-साथ सूचना विभाग की भी जिम्मेदारी रह चुकी है। सीएम के सबसे करीबी अधिकारियों में अवस्थी का नाम शामिल है। वह सरकार में सबसे ताकतवर आईएएस अधिकारियों में शामिल रहे हैं।अवनीश अवस्थी 1987 बैच के यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं। वह 31 अगस्त 2022 को रिटायर हो गए थे। वह सीएम योगी के सबसे भरोसेमंद अधिकारियों में एक थे। इसके चलते उन्हें मुख्यमंत्री का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया था। इसके लिए सीएम योगी को उनके प्रशासनिक कार्यों में सलाह देने के लिए सलाहकार का अस्थाई पद सृजित किया गया था।

अब कैसे होगा रफ्तार शो, टेक्नेक्स के स्टैंडअप कॉमेडियन का शो हुआ कैंसल, सोशल मीडिया पर चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। भीड़ और अव्यवस्था से कैंसिल हो गया टेक्नेक्स के स्टैंडअप कॉमेडियन का शो। दिल्ली पहुंचकर मधुर बोला-फिलिंग सेफ। स्टैंडअप कॉमेडियन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर रैपर रफ्तार का शो कैसे करा पाएंगे, ये सवाल उठ रहा है। स्टैंडअप कॉमेडियन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर आईआईटी बीएचयू में भीड़ कंट्रोल न होने को लेकर जमकर खिंचाई की है। कहा कि काशी आकर दुखी होकर

आईआईटी बीएचयू में भीड़ कंट्रोल न होने को लेकर जमकर खिंचाई की है। कहा कि काशी आकर दुखी होकर वापस लौटना पड़ा। आईआईटी बीएचयू में टेक्नेक्स इवेंट के दौरान बीती रात स्टैंडअप कॉमेडियन मधुर वर्ली का शो कैंसिल करना पड़ा। जरूरत से ज्यादा भीड़ जुटने के चलते ये स्थिति हुई। एक स्टैंडअप कॉमेडियन के ऑडियंस को न संभाल पाने वाले टेक्नेक्स के आयोजक कल मशहूर वापस लौटना पड़ा, वहीं दिल्ली पहुंचकर स्टेटस पर लिखा कि फिलिंग सेफ। कार्यक्रम न हो पाने के चलते मधुर वर्ली ने आईआईटी बीएचयू पर कई मीम भी शेयर किया।कहा कि ये लड़के टाइम टू टाइम शो की टाइमिंग आगे बढ़ाते रहे लेकिन अंततः पुलिस लगाकर शो कैंसिल करने की सूचना जारी कर दी गई। माफी चाहता हूं अब फिर कभी मिलूंगा। बनारस से ऐसे ही लौटना पड़ा।

होटल के पांच लाख रुपये अपने खाते में मंगवा कर रिसेप्शनिस्ट लापता, मुकदमा दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी जिले में एक होटल के पांच लाख रुपये अपने खाते में मंगवा कर रिसेप्शनिस्ट लापता हो गया। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस छानबीन कर रही है। अगस्त कुंडा गोदौलिया के होटल लारा इंडिया के ग्राहकों से मिले पांच लाख रुपये रिसेप्शनिस्ट देवब्रतो शैलेश बनर्जी ने अपने व्यक्तिगत खाते में ट्रांसफर कर लिए। होटल के प्रबंधक ललित यादव की तहरीर पर दशाश्वमेध थाने में महाराष्ट्र के जिला बदेपुर के मोहरली निवासी देवब्रतो शैलेश बनर्जी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रबंधक ललित यादव ने पुलिस को बताया कि एक ग्राहक तुषार प्रभाकर ने बताया कि उन्होंने 73 हजार रुपये देवब्रतो के बताए गए अकाउंट नंबर में भेजा था। इसी तरह से कई अन्य ग्राहकों ने होटल में फोन कर अपनी बुकिंग की पुष्टि करनी चाही। सामने आया कि होटल के अधिकृत मोबाइल नंबर का उपयोग कर देवब्रतो शैलेश ने पांच लाख रुपये का भुगतान अपने व्यक्तिगत खाते में करा लिया। इसके बाद वह होटल छोड़ कर भाग गया। अब उसका मोबाइल फोन स्विच ऑफ बता रहा है और किराये के कमरे में ताला बंद है। दशाश्वमेध थानाध्यक्ष ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज में जूनियर को 'गजनी' बना रहे थे सीनियर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के यह पहली घटना नहीं है। नाम नहीं बताने की शर्त पर जूनियर छात्र-छात्राओं के एक समूह ने बताया कि छात्रावास में रहने वालों के साथ सीनियर्स अक्सर ऐसी हरकतें करते हैं। वरिष्ठता और अनुशासन का हवाला देकर जूनियर छात्रों से अपने व्यक्तिगत कार्य भी कराए जाते हैं। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में हुई रैगिंग में एमबीबीएस छात्र को पीटने

के अलावा तीन अन्य जूनियर छात्रों के साथ भी दुर्व्यवहार हुआ था। पीड़ित छात्रों की तरफ से प्राचार्य को गोपनीय शिकायती पत्र देने की भी बात कही जा रही है। इस वजह से शुक्रवार को प्राचार्य की अध्यक्षता में तत्काल मीटिंग भी बुलाई गई थी।इसमें पूरे मामले की जांच स्क्वाड कमेटी को सौंपते हुए पांच दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। पीड़ित छात्रों से कमेटी ने पूछताछ भी की। छात्रों ने अपना बयान दर्ज कराया। चर्चा है कि पांच छात्र चिन्हित भी कर लिए गए हैं। कॉलेज प्रशासन इस बार सख्त कार्रवाई की तैयारी में है

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र की प्रसिद्धि सुनकर मुंबई के ब्लॉगर प्रवीण कदम, सुरेश हल्दाणकर पहुंचे नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नैनी । नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र पाहुंच कर उन दोनो ने वहां की सुविधा का जयजा लिया, फिर महाशिवरात्रि के अवसर पर केंद्र पर स्थापित शिव मंदिर के दर्शन किया और बताया कि धर्म और कौशल विकास के बीच बहुत ही गहरा सम्बन्ध है धर्म और कौशल विकास प्रशिक्षण के बीच एक गहरा संबंध है। धर्म हमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों के बारे में सिखाता है, जबकि कौशल विकास प्रशिक्षण हमें जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करता है। आत्म-विश्वास धर्म हमें आत्म-विश्वास और आत्म-सम्मान की भावना प्रदान करता है, जो कौशल विकास के लिए आवश्यक है। अनुशासन धर्म हमें अनुशासन और समय प्रबंधन की महत्ता सिखाता है, जो कौशल विकास के लिए आवश्यक है। सहानुभूति धर्म हमें सहानुभूति और करुणा की भावना प्रदान करता है, जो कौशल विकास के लिए आवश्यक है। मूल्यों का पालनः कौशल विकास प्रशिक्षण हमें धर्म के मूल्यों का पालन करने के लिए प्रेरित करता है। आचरण में सुधार कौशल विकास प्रशिक्षण हमें अपने आचरण में सुधार करने के लिए प्रेरित करता है, जो धर्म के मूल्यों के अनुसार है। सामाजिक जिम्मेदारी कौशल विकास प्रशिक्षण हमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना प्रदान करता है, जो धर्म के मूल्यों के अनुसार है।और ये काम नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र बखुबी कर रहा है यहाँ के बाद ये दोनो ब्लॉगर काशी विश्वनाथ, झाँसी आगरा होते हुए मुंबई वापस लौटेंगे।

स्काईलाइन इंटरनेशनल स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
खाड़पाथर/रेणुकूट। दिनांक 28 फरवरी 2025 को स्काईलाइन इंटरनेशनल स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस आयोजन में विद्यालय की संचालिका डॉ. प्रज्ञा तिवारी, प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल इंदु मैम, रविकांत सर, और समस्त स्टाफ मौजूद रहे। बच्चों ने इस अवसर पर विज्ञान के कई रोचक और नवाचार से भरपूर प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए, जिससे उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रचनात्मकता की झलक मिली। इसके साथ ही, बालिकाओं ने आकर्षक शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा, जिसमें उन्होंने ठपानी बचाओठ और ऑनलाइन स्कैम से कैसे बचेंठ जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता फैलाई। छात्रों ने अपने अभिनय से इन गंभीर विषयों को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया, जिससे दर्शकों को महत्वपूर्ण संदेश मिले। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक श्री यशवंत सिंह जी ने सभी छात्रों को प्रमाणपत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। इस विज्ञान प्रदर्शनी दिवस ने न केवल छात्रों के ज्ञान और कौशल को बढ़ावा दिया, बल्कि उनमें विज्ञान के प्रति रुचि भी विकसित की।

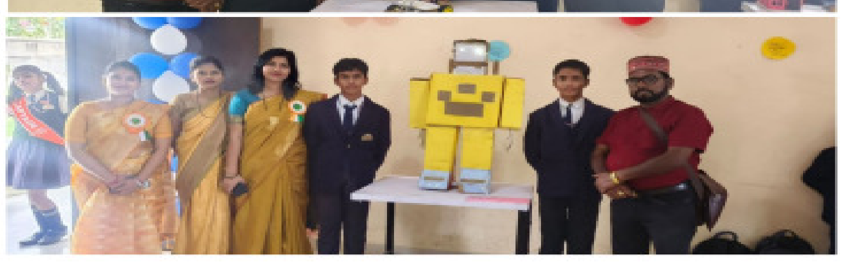

संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर सुनी गयी फरियादियों की समस्याएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा संयुक्त रूप से तहसील ओबरा पर जन शिकायतों को सुना गया तथा तहसील दिवस के अवसर पर आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया । साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके । इस मौके पर एसडीएम ओबरा, क्षेत्राधिकारी ओबरा सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे । इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारु द्विवेदी द्वारा तहसील सदर पर जन समस्याओं को सुनकर निस्तारण किया गया ।

थाना शाहंगज पुलिस ने पत्नी की गैरइरादतन हत्या के प्रकरण में आरोपी पती को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। वादी मुकदमा मोती लाल पुत्र स्व0 बटखरी निवासी जुडौली कोलान बस्ती थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र के द्वारा दिये गये तहरीर पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-105 बीएनएस बनाम महेन्दर बैगा पुत्र छोटकानी बैगा निवासी जुडौली कोलान बस्ती थाना शाहगंज सोनभद्र उम्र 45 वर्ष के विरुद्ध पंजीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा चलाये जा रहे अपराध व अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी घोरावल के कुशल निर्देशन में आज दिनांक-01.03.2025 को थाना शाहगंज पुलिस द्वारा पंजीकृत अभियोग से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त महेन्दर बैगा पुत्र छोटकानी बैगा निवासी जुडौली कोलान बस्ती थाना शाहगंज सोनभद्र उम्र 45 वर्ष को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया । **अभियुक्त का नाम व पता-** 1.महेन्दर बैगा पुत्र छोटकानी बैगा निवासी जुडोली कोलान बस्ती थाना शाहगज, जनपद सोनभद्र उम्र 45 वर्ष । **बरामदगी का विवरण-** 1.आला कत्ल 02 अदद रस्सी का टुकड़ा। 2.एक अदद लाठी। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण-** 1.थानाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार थाना शाहगंज सोनभद्र । 2.उ0नि0 दीनानाथ राम थाना शाहगंज सोनभद्र । 3.हे0का0 सन्तोष कुमार यादव थाना शाहगंज सोनभद्र । 4.हे0का0 शिव प्रताप यादव थाना शाहगंज सोनभद्र ।

रासलीला के तीसरे दिन कालिया नाग दमन के लीला का हुआ मंच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कालिया नाग के फन पर कृष्ण के नृत्य की लीला को देखने के लिए लीला प्रेमियों की भीड़ उमड़ पड़ी। नगर के रामलीला प्रांगण में आयोजित रासलीला के तीसरे दिन कालिया नाग के मान मर्दन की लीला का मंचन किया गया। वृन्दावन से आए कलाकारों ने शानदार लीला का मंचन कर लीला प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया श्री रामलीला चल रहे रासलीला में श्रीकृष्ण मित्रों के साथ यमुना नदी के किनारे गेंद से खेल रहे थे। भगवान ने जोर से गेंद फेंकी और वो यमुना में जा गिरी। गेंद भारी होने से वो सीधे यमुना के तल पर चली गई। समस्या यह थी कि उस समय यमुना में कालिया नाग रहता था। पांच फनों वाला नाग बहुत खतरनाक और विषधर था। उसके विष से यमुना काली हो रही थी और उसी जहर के कारण गोकुल के पशु यमुना का पानी पी कर मर रहे थे। कान्हा बहुत छोटे थे, लेकिन मित्रों के जोर के कारण उन्होंने तय किया कि गेंद वो ही निकाल कर लाएंगे। कान्हा ने यमुना में छलांग लगा दी। कृष्ण ने कालिया नाग की पूंछ पकड़कर उसे मारना शुरू कर दिया। कालिया नाग अपने प्राण की रक्षा के लिए कृष्ण से दुहाई देने लगा। कृष्ण ने उसे यमुना छोड़कर समुद्र में जाने के लिए वचबद्ध किया। इसके बाद कालिया नाग के फन पर नृत्य किया। इस तरह भगवान कृष्ण ने मथुरावासियों को कालिया नाग के साथ यमुना को उसके विष से मुक्ति दिलाई। इससे पूर्व बांके बिहारी की अनुपम छटा की भव्य आरती की गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक रमेश दुबे, अविनाश कुशवाहा, समिति के संरक्षक- जितेंद्र सिंह, संयोजक रामप्रसाद यादव, अध्यक्ष सचिन गुप्ता, महामंत्री धीरज जालान, सदस्य मनोज सिंह, सन्नु केसरी, विजय कांत मिश्र, डॉ. अनिल पांडेय, संदीप चौरसिया, विनोद केसरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वॉकी टॉकी पर विस्फोटक की सूचना देने वाले की जांच में जुटी जीआरपी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। रेलवे स्टेशन पर विस्फोटक होने की सूचना देने के मामले की जांच में जीआरपी जुटी है। जीआरपी ने वॉकी टॉकी से आई सूचना की जांच करने के लिए स्टेशन अधीक्षक को पत्र लिखा है। जिससे की पता चल सके कि वाकी टाकी पर किसने विस्फोटक होने की सूचना दी। उप स्टेशन अधीक्षक के वॉकी टॉकी पर सूचना आई थी कि रेलवे स्टेशन मिर्जापुर के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर विस्फोटक रखा है। जिसके बाद जीआरपी और आरपीएफ में खलबली मच गई। जीआरपी, आरपीएफ के साथ कटरा कोतवाली पुलिस मामले की जांच में जुटी। सीओ सिटी विवेक जावला और कटरा कोतवाली पुलिस ने जांच की। स्टेशन को खंगाला पर कुछ नहीं मिला। जिसके बाद जीआरपी विस्फोटक की सूचना देने वाले की जांच में जुटी है। जीआरपी प्रभारी राम दवर ने बताया कि विस्फोटक होने की सूचना उप स्टेशन अधीक्षक के वॉकी टॉकी पर आई थी। इस संबंध में स्टेशन अधीक्षक को पत्र लिखा गया है। उनसे जानकारी मांगी गई है कि वॉकी टॉकी का उपयोग कौन-कौन करता है।

सोनभद बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोनभद्र बार एसोसिएशन सत्र 24 25 के नवनिर्वाचित अध्यक्ष व महामंत्री एवं समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन शनिवार को तहसील परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश सोनभद्र रविंद्र विक्रम सिंह एवं उपाध्यक्ष राज्य विधिज्ञ परिषद अनुराग पांडेय एवं विशिष्ट अतिथि अरुण कुमार त्रिपाठी पूर्व अध्यक्ष सदस्य राज विधिज्ञ परिषद , हरिशंकर सिंह पूर्व अध्यक्ष सदस्य राज्य विधिज्ञ परिषद, एवं विनोद कुमार पांडे सदस्य राज विधिज्ञ परिषद के द्वारा शपथ ग्रहण समारोह के पूर्व मां सरस्वती के प्रतिमा प्रति प्रचलित करते हुए समारोह संपन्न कराया गया। पूर्व अध्यक्ष पूनम सिंह ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र को शपथ दिलाई गई एवं मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष राज्य विधिज्ञ परिषद अनुराग पांडेय द्वारा महामंत्री अखिलेश कुमार पांडे एवं सभी पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ ग्रहण कराया गया। शपथ ग्रहण के उपरांत नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्रा ने सभी मुख्य अतिथियों एवं अतिथियों अधिवक्ता भाइयों बहनों का आभार व्यक्त करते हुए अधिवक्ता एकता हित की बात करने को लेकर सहमत जताते हुए सबका आभार व्यक्त किया।कार्य क्रम का संचालन विनोद चौबे एड ने किया विशिष्ट अतिथिगण द्वारा महामंत्री अखिलेश पाण्डेय व अन्य पराधिकारि व कार्यकारिणी सदस्यो को सपथ दिलाया शपथ लेते वाने पदाधिकारी वरिष्ठ उपाध्यक्षा शारदा प्रसाद मौर्य उपाध्यक्ष 10 वर्ष से उपर प्रदीप पाण्डेय , संजय पाण्डेय उपाध्यक्ष 10 वर्ष से निचे अखिलेश पाण्डेय, आशुतोष द्विवेदी कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह संयुक्त सचिव प्रकाशन शरद चन्द्र गुप्ता संयुक्त सचिव प्रशासन अजय प्रकाश मिश्र संयुक्त सचिव पुस्तकालय सुरज वर्मा के साथ कार्यकारिणी सदस्य वरिष्ठ व कनिष्ठ का शपथ सम्पन हुआ ।

खाकी पर दाग दुष्कर्म का केस दर्ज करने के लिए थानाध्यक्ष ने ली घूस, एंटी करप्शन की टीम ने दबोचा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। जिले में दुष्कर्म का केस दर्ज करने के लिए रिश्वत लेने के मामले में थानाध्यक्ष को गिरफ्तार किया गया है। एंटी करप्शन की टीम ने उसे गिरफ्तार किया है। दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करने के लिए 30 हजार रुपये घूस लेते हुए चील्ह थानाध्यक्ष शिवशंकर सिंह को एंटी करप्शन की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने विरोध किया तो धक्का देकर उसे गाड़ी में बैठाया गया। इसके बाद एंटी करप्शन की टीम आरोपी को लेकर शहर कोतवाली पहुंची और मुकदमा दर्ज कराया।चील्ह थाना क्षेत्र में युवती का एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा है। युवती का मामा 10 दिन पहले युवक पर भांजी का शारीरिक शोषण करने पर आरोप लगाते हुए दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराने के लिए थाने पहुंचा था। आरोप है कि चील्ह थानाध्यक्ष शिवशंकर ने मुकदमा दर्ज करने के लिए 50 हजार रुपये की मांग की। इस पर युवती के मामा ने 25 फरवरी को एंटी करप्शन थाने में शिकायत की। एंटी करप्शन की टीम ने मामले की जांच करने के बाद चील्ह थानाध्यक्ष को रंगेहाथ पकड़ने की योजना बनाई। बृहस्पतिवार को एंटी करप्शन की टीम ने युवती के मामा को नोट पर पाउडर लगाकर दिया और उसे थाने में भेजा। दोपहर बाद वह थानाध्यक्ष के कमरे में पहुंचा और 30 हजार रुपये देकर बाहर निकल आया। इसी बीच एंटी करप्शन टीम के सदस्य थानाध्यक्ष के कमरे में पहुंच गए और उसकी जेब से 30 हजार रुपये के केमिकल लगे नोट बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद टीम के सदस्य थानाध्यक्ष को कमरे से बाहर खींचकर गाड़ी में बैठाने लगे, जिसका उसने विरोध किया। इस पर टीम ने उसे धक्का लेकर गाड़ी में बैठाया और कोतवाली शहर लेकर पहुंची, जहां भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।एंटी करप्शन प्रभारी विनय सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज करने के लिए थानाध्यक्ष चील्ह ने 50 हजार रुपये की घूस मांगी थी। थानाध्यक्ष की जेब से 30 हजार रुपये बरामद कर उसे गिरफ्तार किया गया है। मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।जिले में एक हफ्ते के अंदर थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिसकर्मयों पर कार्रवाई हो चुकी है। इनमें दो लोगों को रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा गया है।

देश/विदेश

मेरा देश भारत

पोप फ्रांसिस की तबीयत और बिगड़ी, वेटिकन ने लोगों से चिंताजनक जानकारी साझा की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वेटिकन ने बताया है कि पोप फ्रांसिस को शुक्रवार को खांसी का दौरा पड़ा, जिसके कारण उन्हें उल्टी हुई और उन्हें गैर-आक्रामक आई है।वेटिकन ने बताया है कि पोप फ्रांसिस को शुक्रवार को खांसी का दौरा पड़ा, जिसके कारण उन्हें उल्टी हुई और उन्हें गैर-आक्रामक यांत्रिक वेंटिलेशन की आवश्यकता पड़ी। स्थिति ठबहुत जल्दी बिगड़ सकती है।ठ उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, ठमुझे लगता है कि यह बेहद चिंताजनक है, इस तथ्य को देखते हुए कि पोप दो सप्ताह से अधिक

यांत्रिक वेंटिलेशन की आवश्यकता पड़ी। वेटिकन के अनुसार, दोहरे निमोनिया के खिलाफ दो सप्ताह से चल रही उनकी लड़ाई में एक चिंताजनक झटका है।निमोनिया के कारण अस्पताल में भर्ती पांप फ्रांसिस के स्वास्थ्य पर वेटिकन ने प्रतिक्रिया दी है। बताया गया है कि पोप फ्रांसिस की तबीयत खराब ठीक नहीं है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। डॉक्टरों ने 24 से 48 घंटों तक पोप के सेहत की निगरानी करने की बात कही है। पोप फ्रांसिस को 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब उनकी तबीयत के बारे में चिंताजनक जानकारी सामने वेटिकन के अनुसार, दोहरे निमोनिया के खिलाफ दो सप्ताह से चल रही उनकी लड़ाई में एक चिंताजनक झटका है। पोप, जिनके युवावस्था में एक फेफड़े का हिस्सा निकाल दिया गया था, फेफड़े की बीमारी से पीड़ित हैं और उन्हें ब्रोंकाइटिस की बीमारी के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था जो बिगड़ कर दोनों फेफड़ों में निमोनिया में बदल गई थी।शिकागो में नॉर्थवेस्टर्न मेडिसिन के पल्मोनरी क्रिटिकल केयर डॉक्टर डॉ. जॉन कोलमैन ने कहा कि वेटिकन द्वारा बताई गई घटना चिंताजनक है और फ्रांसिस की नाजुकता स्थिति की जानकारी दे रही है। उनकी यह समय से अस्पताल में हैं, और अब उन्हें श्वसन संबंधी समस्याएं हो रही हैं। अब उन्हें सांस लेने के लिए और भी अधिक सहायता की आवश्यकता है।ठ कोलमैन, जो फ्रांसिस की देखभाल में शामिल नहीं हैं, ने कहा, ठउनकी उम्र और उनकी नाजुक स्थिति और उनके पहले हुए फेफड़े के ऑपरेशन को देखते हुए, यह बहुत चिंताजनक है।बोस्टन के ब्रिघम एंड वूमन्स हॉस्पिटल के फुफ्फुस रोग विशेषज्ञ डॉ. विलियम फेल्डमैन ने कहा कि यह अच्छा संकेत है कि पोप सतर्क और सतर्क बने हुए हैं, लेकिन उन्होंने इस बात पर सहमति जताई कि यह घटना चिंताजनक है।

जीवंत हुई वायलिन की सुरीली परंपरा, छू गई सुरों की गहराई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एक-दूसरे की पूरक बनती वायलिन की धुन और तबले की थाप ने कुछ ऐसा माहौल पैदा किया कि श्रोता संगीत की दुनिया में खो गए। तीन पीढ़ियों की एकसाथ निकली वायलिन की धुनों में अनूठी सादगी थी। सुरों की गहराई सीधे दिल को छू रही थी। संगीत की अनूठी पूरे सभागार में सन्नाटा छा जाता, तो कभी खुशी से तालियां बज उठतीं। चढ़ते-उतरते सुरों के साथ दर्शक सम होते दिखे। अभिषेक मिश्र की तबले पर संगत के साथ संगीतमयी शाम की शुरुआत राग कल्याण से हुई। तीन पीढ़ियों के इस वादन में अनूठी सादगी और अजीब-सी तन्मयता थी। वायलिन पर एक साथ

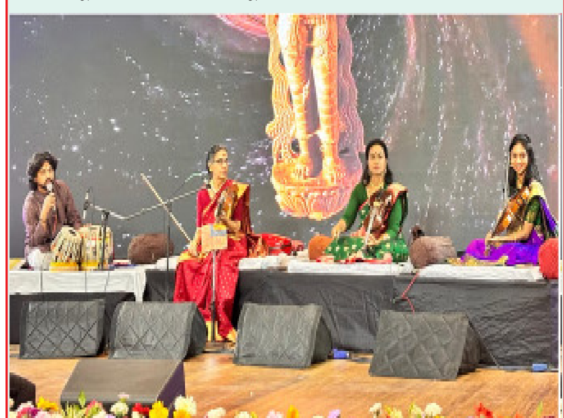

दुनिया भावुकता पैदा करती रही। मशहूर संगीतज्ञ व वायलिन वादक डॉ. एन. राजम, पुत्री संगीता शंकर और नातिन रागिनी शंकर की विशेष प्रस्तुति ने शुक्रवार की संगीतमयी शाम को यादगार बना दिया। वायलिन की सुरीली परंपरा जीवंत हुई, तो नोएडा स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी में अमर उजाला शब्द सम्मान समारोह में सुरों के उतार-चढ़ाव के साथ पूरा सभागार तालियों से गूंजता रहा।धुनों के साथ दर्शकों की ऐसी एकरूपता बनी कि कभी प्रस्तुति ने दर्शकों का 'पायो जी मैंने, राम रतन धन पायो...' की वायलिन पर प्रस्तुति में ऐसी मिठास थी, जिससे सुनने वाले रोमांचित हो उठे। एकबारगी ऐसा लगा, मानो वायलिन के तंत्र ही गा रहे हों। इस दौरान पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। बनारस के होली गीत ने भी समां बांधा। वायलिन के सुरों में ऐसी गहराई थी जो सीधे दिल को छू रही थी। फनकारों की अंगुलियां वायलिन पर मानो जादू करती नजर आईं।

पीएम मोदी गुजरात के तीन दिन के दौरे पर; एनबीडब्ल्यूएल की बैठक करेंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक मार्च यानी आज से गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह जूनागढ़ जिले के सासन में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी शनिवार से गुजरात के तीन दिन के दौरे पर होंगे। वह जूनागढ़ जिले के सासन में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। वह जामनगर में रिलायंस फाउंडेशन के पशु बचाव केंद्र वंतारा भी जाएंगे। पीएम श्री सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक की भी अध्यक्षता करेंगे। पीएम मोदी के कार्यक्रम के क्रम में वे रविवार को जामनगर स्थित पशु देखभाल केंद्र वंतारा का दौरा करेंगे। वहीं अगले दिन वह जंगल सफारी का आनंद लेंगे। इस बारे में गुजरात के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख ए पी सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी गिर राष्ट्रीय उद्यान के मुख्यालय सासन में अपने प्रवास के दौरान विश्व प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर का प्रबंधन करने वाले श्री सोमनाथ ट्रस्ट की एक बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री एक मार्च की शाम को जामनगर पहुंचेंगे और वहां सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन उनका जामनगर में वंतारा पशु देखभाल केंद्र का दौरा करने का कार्यक्रम है। वह जामनगर से रवाना होकर शाम को सासन पहुंचेंगे। सासन में वन विभाग के कार्यालय-सह-गेस्ट हाउस 'सिंह सदन' में पहुंचने के बाद, प्रधानमंत्री श्री सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने कहा कि 3 मार्च को प्रधानमंत्री गिर राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी का आनंद लेकर अपने दिन की शुरुआत करेंगे, जो एशियाई शेरों का निवास स्थान है। उन्होंने कहा कि सिंह सदन लौटने के बाद, वे एनबीडब्ल्यूएल की एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे। ऐसी बैठकों में वन्यजीवों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा की जाती है और उन्हें अंतिम रूप दिया जाता है। यह बैठक विशेष है, क्योंकि इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करेंगे। उन्होंने कहा कि बैठक के बाद प्रधानमंत्री सासन में कुछ महिला वन कर्मचारियों से बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि बाद में प्रधानमंत्री गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। उन्होंने बताया कि सोमनाथ से वह राजकोट हवाई अड्डे पहुंचेंगे और दिल्ली के लिए रवाना होंगे। बता दें कि एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिव शामिल हैं। देश के प्रधानमंत्री एनबीडब्ल्यूएल के पदेन अध्यक्ष होते हैं।

आधुनिक प्रौद्योगिकियों ने युद्ध के आयाम को बदला, तकनीकी चुनौतियों के समाधान से भारत मजबूत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, यदि भारत के पास महत्वपूर्ण तकनीकी चुनौतियों का समाधान है तो देश प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मजबूत और सुरक्षित रह सकता है। हमारे युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए सामान्य से आगे जाने का प्रयास करना चाहिए। रक्षा मंत्री किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बुनियादी ढांचे का सर्वोत्तम उपयोग करने का आह्वान किया, ताकि अग्रणी प्रौद्योगिकियों में उत्कृष्टता हासिल की जा सके। रक्षा मंत्री ने कहा, यदि भारत के पास महत्वपूर्ण तकनीकी चुनौतियों का समाधान है तो देश प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मजबूत और सुरक्षित रह सकता है।

राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि अत्याधुनिक और अग्रणी प्रौद्योगिकियों ने युद्ध के आयाम को बदल दिया है। इनके कारण आधुनिक युद्ध की मारक क्षमता में अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा, हमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग और क्लीन-टेक जैसी परिवर्तनकारी तकनीकों में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। युद्ध की परिस्थितियां तेजी से हार्डवेयर से सॉफ्टवेयर की ओर परिवर्तित हो रही हैं।राजनाथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर यहां डीआरडीओ की ओर से आयोजित विज्ञान वैभव-2025 समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवाओं से वैज्ञानिक सोच विकसित करने और सरकार के प्रयासों से देश में स्थापित हमारे युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए सामान्य से आगे जाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के शब्दों को याद किया, जिसमें उन्होंने कहा था, विज्ञान मानवता के लिए एक सुंदर उपहार है, हमें इसे विकृत नहीं करना चाहिए, बल्कि समाज की बेहतरी के लिए इसका उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लोगों के कल्याण के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करने को प्रतिबद्ध है।रक्षा मंत्री ने तेलंगाना के हैदराबाद में स्वदेशी मिसाइल प्रणालियों के डिजाइन और विकास के केंद्र डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स का दौरा किया।

आंख मूंदकर खातों को फर्जी घोषित करने पर लगाम कसे आरबीआई'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की खंडपीठ ने यह बात उद्योगपति अनिल अंबानी की एक याचिका पर सुनवाई करने के दौरान कही, जिसमें उनके खाते को फर्जी घोषित किए जाने के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के 10 अक्तूबर, 2024 के आदेश को चुनौती दी गई है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि कई बार बैंक एकदम आंख मूंदकर खातों पर फर्जी या चूककर्ता का ठप्पा लगा देते हैं। उन्हें कुछ तो दिमाग लगाकर काम करना चाहिए। इस तरह कट, कॉपी, पेस्ट वाले आदेश नहीं दिए जा सकते। आखिरकार यह जनता का पैसा है। कोर्ट ने इसके साथ ही आरबीआई से कहा कि बैंकों के ऐसे रवैये पर लगाम कसने के लिए उसे उपयुक्त कदम उठाने चाहिए।जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की खंडपीठ ने यह बात उद्योगपति अनिल अंबानी की एक

याचिका पर सुनवाई करने के दौरान कही, जिसमें उनके खाते को फर्जी घोषित किए जाने के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के 10 अक्तूबर, 2024 के आदेश को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने इस मामले में अनिल अंबानी को रिजर्व बैंक इंडिया का दरवाजा खटखटाने को कहा। अंबानी ने याचिका में कहा था कि बैंक ने उन्हें सुनवाई का मौका नहीं दिया। साथ ही, उन दस्तावेज की प्रतियां भी नहीं दीं जिनके आधार पर यह आदेश पारित किया गया था। याचिका पर सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि उसके सामने बार-बार ऐसे मामले आ रहे हैं, जहां बैंक आरबीआई की तरफ से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन किए बिना खातों को फर्जी या जानबूझकर चूककर्ता घोषित कर देते हैं। पीठ ने कहा, इस तरह के आदेश इतनी लापरवाही से पारित नहीं किए जा सकते।

केंद्र ने 3.1 करोड़ टन गेहूं खरीदने का तय किया लक्ष्य, 2425 रुपये प्रति क्विंटल होगी खरीद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कृषि मंत्रालय के आधिकारिक बयान के मुताबिक, शुक्रवार को राज्यों के खाद्य सचिवों

के साथ बैठक में गेहूं, धान और मोटे अनाज जैसी रबी फसलों के लिए खरीद लक्ष्य तय किया गया। इसके तहत, सरकार रबी विपणन सत्र 2025-26 में 70 लाख टन चावल और 16 लाख टन मोटे अनाज खरीदेगी। सरकार ने अप्रैल से शुरू होने वाले रबी विपणन सत्र 2025-26 के लिए 3.1 करोड़ टन गेहूं खरीद का लक्ष्य तय किया। कृषि मंत्रालय ने फसल वर्ष 2024-25 (जुलाई-जून) में रिकॉर्ड 11.5 करोड़ टन गेहूं उत्पादन का लक्ष्य रखा है। इसके बावजूद खरीद लक्ष्य कम है।आधिकारिक बयान के मुताबिक, शुक्रवार को राज्यों के खाद्य सचिवों के साथ बैठक में गेहूं, धान और मोटे अनाज जैसी रबी फसलों के लिए खरीद लक्ष्य तय किया गया। इसके तहत, सरकार रबी विपणन सत्र 2025-26 में 70 लाख टन चावल और 16 लाख टन मोटे अनाज खरीदेगी।

इसरो 15 मार्च से फिर शुरू करेगा स्पैडेक्स प्रयोग, इसरो अध्यक्ष नारायणन ने दिया ये बड़ा संकेत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।स्पैडेक्स मिशन को 30 दिसंबर 2023 को लॉन्च किया गया था। इसने दो सैटेलाइट्स को आपस में जोड़ने के परीक्षण (डॉकिंग) के लिए सैटेलाइट्स एसडीएक्स01 व

एसडीएक्स 02 को अंतरिक्ष में भेजा। इसरो ने 16 जनवरी को इन्हें जोड़ने में कामयाबी पाई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) मार्च के मध्य में स्पैडेक्स मिशन पर नए प्रयोग शुरू करेगा। इसका उद्देश्य दो सैटेलाइट चेजर और टार्गेट को अलग करना और फिर दोबारा जोड़ना है। यह तकनीक भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए अहम साबित होगी। यह बात राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के दौरान इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने कही।नारायणन ने कहा, स्पैडेक्स मिशन को 30 दिसंबर 2023 को लॉन्च किया गया था। इसने दो सैटेलाइट्स को आपस में जोड़ने के परीक्षण (डॉकिंग) के लिए सैटेलाइट्स एसडीएक्स01 व एसडीएक्स 02 को अंतरिक्ष में भेजा। इसरो ने 16 जनवरी को इन्हें जोड़ने में कामयाबी पाई। इसके साथ ही भारत यह तकनीकी उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया। इससे पहले 12 जनवरी को इसरो ने उपग्रहों को 'डॉक' करने के परीक्षण के तहत दो अंतरिक्ष यान को तीन मीटर की दूरी पर लाकर और फिर सुरक्षित दूरी पर वापस भेजा था। इसरो ने 30 दिसंबर 2024 को 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट' (स्पेडेक्स) मिशन को सफलतापूर्वक शुरू किया था।

सम्पादकीय

दूर होना चाहिए दक्षिणी राज्यों का संदेह, परिसीमन को लेकर बना है असमंजस

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पांच मार्च को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसमें लोकसभा के संभावित परिसीमन पर चर्चा होगी। उन्होंने आशंका जताई है कि जनसंख्या के आधार पर पर होने वाले 2026 के परिसीमन से तमिलनाडु और दक्षिण के अन्य राज्यों का नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि हमने कड़ाई से जनसंख्या नियंत्रण में सफलता प्राप्त की है, लेकिन अब इसका नुकसान भुगतना पड़ रहा है। दक्षिण के अन्य राज्य भी समय-समय पर कहते रहते हैं कि उनकी जनसंख्या विकास दर घटने से उन्हें राजनीतिक एवं आर्थिक योजनाओं में नुकसान उठाना पड़ता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने भी उनके सुर में सुर मिलाया है। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव भी स्टालिन जैसी आपत्ति जता रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और केंद्र में सत्तारूढ़ राजग के सहयोगी चंद्रबाबू नायडू भी स्टालिन जैसी आशंका जता चुके हैं। हालांकि ऐसी आशंकाओं के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आश्वस्त किया है कि दक्षिणी राज्यों को संभावित परिसीमन में ऐसा कोई भेदभाव नहीं झेलना पड़ेगा। देश में जनसंख्या के अनुरूप जनप्रतिनिधित्व की परंपरा रही है। विगत पांच जनगणना दशकों-1961 से लेकर 2011 तक देश की जनसंख्या वृद्धि दर 175.67 प्रतिशत थी, लेकिन आंध्र में यह 57.45, केरल में 97.62, तमिलनाडु में 114.16 तथा कर्नाटक में 159.01 प्रतिशत रही। कर्नाटक में आइटी और अन्य क्षेत्रों में हुए विकास के चलते देश भर से आकर लोग वहां बसते चले गए। समय के साथ हुई समृद्धि और अन्य पहलुओं ने भी जनसंख्या वृद्धि पर ब्रेक लगाने में भूमिका निभाई। परिसीमन की चर्चा करें तो देश में लोकसभा सीटों के परिसीमन हेतु 1953, 1962, 1972 तथा 2002 में परिसीमन आयोग गठित हुए। आगामी लोकसभा चुनाव के पूर्व अब नए परिसीमन आयोग का गठन प्रस्तावित है, क्योंकि 2029 का लोकसभा चुनाव नए परिसीमन के आधार पर होगा। 1953 के परिसीमन हेतु 1951 की जनगणना, 1962 में 1961 की जनगणना, 1972 में 1971 की जनगणना तथा 2002 में 2001 की जनगणना को आधार माना गया था, लेकिन 2029 के परिसीमन के लिए अधिकृत रूप से जनसंख्या का क्या आधार होगा, यह कहा नहीं जा सकता, क्योंकि कोरोना के कारण 2021 की जनगणना नहीं हो पाई है। फिर भी स्टालिन ने जो सवाल उठाया है, उसे टालना उचित नहीं होगा। परिसीमन को लेकर अगर कोई संदेह है तो उसका प्रभावी समाधान होना ही चाहिए। वर्ष 1956 में राज्यों का पुनर्गठन और उसके बाद राज्यों की सीमाएं तय हुई थीं। जहां तक दक्षिण के राज्यों और उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी की मांग का सवाल है तो प्रथम परिसीमन के बाद 1957 में हुए लोकसभा चुनाव के समय देश में लोकसभा की कुल 494 सीटें थीं, जिसमें दक्षिण के चार राज्यों की 128 सीटें थीं। 1962 के परिसीमन के बाद 1967 में लोकसभा की सीटें बढ़कर 520 हो गईं, लेकिन इन चार राज्यों की सीटें बढ़ने के बजाय घटकर 126 रह गईं। विशेषकर तमिलनाडु की सीटें 41 से घटकर 39 हो गईं। उस समय भी तमिलनाडु में विरोध हुआ था। फिर 1972 के परिसीमन के बाद 1977 के लोकसभा चुनाव के समय लोकसभा की सीटें बढ़कर 542 हुईं और दक्षिण के इन राज्यों की सीटों में मामूली वृद्धि हुई और वे 126 से बढ़कर 129 के आंकड़े पर पहुंच गईं। दक्षिण की भावना को देखते हुए ही 2002 के परिसीमन में यह नीति बनी कि सीटें तो न बढ़ाई जाएं, लेकिन लोकसभा सीटों में जनसंख्या को इस तरह विभाजित करें कि न्यूनतम और अधिकतम का अंतर 10 प्रतिशत से ज्यादा न हो तथा कम से कम प्रशासनिक इकाई का विभाजन हो। लोकसभा में प्रखंड और विधानसभा में पंचायत को प्राथमिक इकाई माना गया यानी जनसंख्या, प्रशासनिक इकाई और आवागमन को ध्यान में रखकर नया परिसीमन किया गया। हालांकि आज भी लोकसभा और विधानसभा की सीटों में जनसंख्या का वितरण समान ढंग से लागू नहीं है। पूर्वोत्तर और पर्वतीय राज्यों में संख्या का वितरण और मैदानी क्षेत्र तथा घनी आबादी वाले राज्यों के लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र की जनसंख्या और मतदाताओं की संख्या में काफी अंतर है। अरुणाचल प्रदेश में कुल मतदाता 709697 हैं, लेकिन विधानसभा की सीटें 60 और लोकसभा की 2 सीटें हैं। आगामी लोकसभा के परिसीमन पर स्टालिन के बयान के बाद तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष ने पीएम मोदी के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए कहा कि परिसीमन के समय दक्षिणी राज्यों की भावनाओं का सम्मान किया जाएगा। अमित शाह ने इसकी पुष्टि कर दी। इसे देखते हुए संकीर्ण राजनीतिक कारणों से परिसीमन को लेकर लोगों को भड़काना उचित नहीं। तमिलनाडु में एक समूह सदैव उत्तर-दक्षिण का विवाद खड़ा करता रहा है। कभी भाषा को लेकर तो कभी आर्य-अनार्य के मुद्दे पर। इन दिनों भाषा के मुद्दे पर भी स्टालिन अनावश्यक आक्रामकता का प्रदर्शन कर रहे हैं। अब तो वह यह कुतर्क भी दे रहे हैं कि हिंदी उत्तर भारत की अनेक भाषाओं को हजम कर गई। तमिलनाडु में नई शिक्षा नीति पर भी विवाद उभारने का प्रयास हो रहा है। भारतीय भाषाओं के सम्मान के साथ ही उनके प्रति उदारता का लाभ सभी लोगों को मिलता है। दक्षिण में हिंदी के विस्तार ने ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के राष्ट्रव्यापी अवसर प्रदान किए हैं।

वर्चस्व कायम करने में जुटी भाजपा, लोकसभा चुनाव के झटकों के बाद आया उछाल

यदि एन. बीरेन सिंह जातीय हिंसा की आग में जलते मणिपुर को संभालने में नाकामी के चलते मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने को मजबूर नहीं हुए होते तो दिल्ली में रेखा गुप्ता सरकार की ताजपोशी के साथ ही भाजपा और उसकी अगुआई वाला राजग देश की सत्ता-राजनीति में वर्चस्व का अपना ही कीर्तिमान और बेहतर कर चुका सरकार है। वैसे भाजपा विधायक दल में नए नेता के नाम पर सहमति न बन पाने के चलते मणिपुर में विधानसभा निलंबित कर राष्ट्रपति शासन लगाया गया है यानी नई सरकार बनने का विकल्प खुला हुआ है। बेशक 27 साल बाद देश की राजधानी में सत्ता की वापसी का जश्न भाजपा के लिए नए सत्ता-कीर्तिमान के साथ और भी खास बन

होता। तब देश के 19 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों में राजग का शासन होता। इससे पहले 2018 में राजग का 20 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शासन था। एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के बावजूद राजग शासित राज्यों की संख्या 20 है। 15 राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों में तो भाजपा के ही मुख्यमंत्री हैं, शेष में राजग की जाता, लेकिन 18 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों में सरकार होना भी वर्तमान राजनीति में कम बड़ी उपलब्धि नहीं। इसका अर्थ यह भी है कि पिछले साल लोकसभा चुनाव में लगे झटके से भाजपा उबर चुकी है। राज्यों की राजनीति की दृष्टि से 2019 के बाद का समय भाजपा और राजग के लिए उतार-चढ़ाव वाला रहा।

नया औद्योगिक युग, हम सभी के लिए महिलाओं के लिए भी एक नया सवेरा

एडवांटेज असम 2.0 में देश और विदेश के प्रमुख उद्योगपतियों ने निवेश करने में रुचि दिखाई है। कुल निवेश असम की अनुमानित (6.43 लाख करोड़) के 80 के बराबर है। मैं एक पहली पीढ़ी की उद्यमी हूं। मेरे जैसे कई छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप

फाउंडर्स, किसान, कारीगर और युवा प्रोफेशनल्स असम की तरक्की के सपने देख रहे हैं। जब मैंने एडवांटेज असम 2.0 में ?5,18,205 करोड़ के निवेश प्रस्तावों की खबर सुनी, तो मेरे मन में एक नई ऊर्जा, एक नई उम्मीद जागी। यह केवल एक इन्वेस्टमेंट समिट नहीं है, बल्कि यह असम के आर्थिक और औद्योगिक भविष्य की नींव रखने वाला एक ऐतिहासिक अवसर है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा जी के नेतृत्व में असम केवल नॉर्थ ईस्ट का नहीं, बल्कि पूरे भारत का प्रमुख औद्योगिक केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।एडवांटेज असम 2.0 में देश और विदेश के प्रमुख उद्योगपतियों ने निवेश करने में रुचि दिखाई है। कुल निवेश असम की अनुमानित उउझ् (?6.43 लाख करोड़) के 80झ् के बराबर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (ंध्य्): ?50,000 करोड़ का निवेश, गुवाहाटी में मेगा फूड पार्क और 7-स्टार होटल। अडानी ग्रुपः ?50,000 करोड़ का निवेश, एयरपोर्ट, एयरोसिटी, रक्षा क्षेत्र, सीमेंट, सड़क निर्माण। वेदांता ग्रुपः ?50,000 करोड़ का निवेश, मल्टी-सेक्टर एक्सपेंशन। टाटा ग्रुपः ?27,000 करोड़ का निवेश, असम में सेमीकंडक्टर निर्माण इकाई की योजना। यह निवेश असम की अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा और हम जैसे छोटे व्यवसायियों को भी नए अवसर देगा। जब बड़ी कंपनियां आएंगी, तो उनके साथ नई नौकरियां, छोटे व्यवसायों के लिए बाजार, और स्थानीय कौशल को पहचान मिलेगी।हालांकि यह विकास सभी के लिए है, लेकिन महिलाओं के लिए भी यह अवसरों का नया द्वार खोलेगा। जब फूड प्रोसेसिंग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स, टेक्नोलॉजी, और ऊर्जा क्षेत्र में निवेश होगा, तो महिलाओं के लिए भी नए रोजगार और उद्यमिता के रास्ते खुलेंगे। खासकर टाटा का सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट और रिलायंस का फूड पार्क, जहां महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। इसके अलावा, अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के सहयोग से प्रशिक्षण और कौशल विकास के अवसर भी मिलेंगे, जिससे महिलाओं को नए सेक्टर में करियर बनाने का मौका मिलेगा।सरकार की योजनाः हर निवेश धरातल पर उतरेगा 80झ् निवेश प्रस्तावों को कारगर बनाने की पूरी योजना तैयार की जा रही है। अगले छह महीनों में रोडमैप तैयार होगा जिसमें भूमि आवंटन, सरकारी प्रोत्साहन और सुविधाएं शामिल होंगी। असम सरकार ने स्पष्ट किया है कि हर निवेश को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। इस समिट में 67 देशों के राजनयिक, 76 देशों के प्रतिनिधि और 9 भागीदार देश शामिल हुए, जिससे असम वैश्विक निवेश के मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है।क्या होगा फायदा 5 लाख से अधिक नई नौकरियां। असम नॉर्थ ईस्ट का सबसे बड़ा औद्योगिक केंद्र बनेगा। छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए नए अवसर।महिलाओं के लिए स्वरोजगार और स्टार्टअप का सुनहरा मौका। राज्य की आर्थिक स्थिति और व्यापारिक माहौल मजबूत होगा। मुख्यमंत्री जी का आभारः उनके नेतृत्व में असम नई ऊंचाइयों की ओर हम सभी असमवासियों के लिए यह गर्व का क्षण है कि हमारा राज्य अब केवल ठनॉर्थ ईस्ट का द्वारठ नहीं, बल्कि ठभारत का औद्योगिक हबठ बनने जा रहा है। डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा जी के नेतृत्व में असम में निवेश का नया युग शुरू हो गया है। उनकी स्पष्ट दृष्टि, मजबूत नीतियां और उद्यमियों के लिए अनुकूल वातावरण ने यह संभव किया है। मैं एक उद्यमी के रूप में, दिल से धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने असम में निवेश का इतना बड़ा अवसर प्रदान किया, जिससे हम सभी अपने सपनों को साकार कर सकें। अब यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम इस मौके का पूरा फायदा उठाएं, अपने कौशल को निखारें, आगे बढ़ें और असम को आर्थिक रूप से भारत का सबसे मजबूत राज्य बनाने में योगदान दें।

कहीं एम.के. स्टालिन पर उल्टा न पड़ जाए हिंदी विरोध

किसी एक राज्य के युवाओं को हिंदी जैसी भाषा से राजनीतिक कारणों से दूर करना कितना उचित है? फिर नई शिक्षा नीति-2020 में कहीं भी यह बाध्यता नहीं है कि आपको हिंदी सीखनी ही है। किसी दूसरी भारतीय भाषा को भी तमिलनाडु के युवा सीख सकते हैं। तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। राज्य में कोई भी बड़ा मुद्दा अपने पक्ष नजर नहीं देख द्रमुक पार्टी के नेता और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने एक बार फिर हिंदी विरोध के मुद्दे को चुना है। यह विरोध हिंदी का नहीं, बल्कि विशुद्ध रूप से एक राजनीतिक एजेंडा भर दिख रहा है। तमिलनाडु में भी अन्य राज्यों की तरह सत्ता विरोधी लहर चलती है।हर पांच साल बाद जनता अक्सर सरकार बदल देती है। एम.के. स्टालिन के पक्ष में परिस्थितियां अच्छी नजर नहीं आ रही हैं। यही कारण है कि उन्होंने वर्ष 1937 से चले आ रहे हिंदी विरोधी मुद्दे को विधानसभा चुनाव से सालभर हवा देना प्रारंभ कर दिया है। हालांकि, यह लग रहा है कि इस बार उनका यह पैंतरा चलने वाला नहीं है। आपको थोड़ा सा अतीत में लेकर चलता हूं। सितंबर 2020 में एम.के. स्टालिन की बहन और द्रमुक पार्टी नेता कनिमोझी ने हिंदी विरोध में चुनाव से पहले यूं ही झंडा बुलंद किया था। उस समय बात यहां तक पहुंच गई थी कि कनिमोझी ने तत्कालीन केंद्रीय आयुष मंत्री श्रीपाद नायक को चिट्ठी लिखकर तब मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटोचा का इस्तीफा तक मांग लिया था, क्योंकि कनिमोझी का आरोप था कि कोटेचा ने एक वेबीनार में हिंदी नहीं जानने वाले प्रतिभागियों को सत्र छोड़कर जाने के लिए कहा था। कनिमोझी ने चेन्नई एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ के जवान पर उन्हें हिंदी को लेकर तंग करने का आरोप लगाया था, जो असत्य निकला था। कनिमोझी ने यहां तक कहा था कि उन्हें हिंदी आती नहीं है, जबकि सच्चाई बिल्कुल इसके उल्ट है। कनिमोझी को न केवल हिंदी अच्छे से आती है, बल्कि उर्दू, तमिल, अंग्रेजी समेत पांच भाषाओं को वो जानती हैं। आपकी स्मृति के लिए बता दूं। एक बार पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल चेन्नई पहुंचे थे। उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री करुणानिधि की मौजूदगी में हिंदी में भाषण दिया था। तब उनके हिंदी भाषण का तमिल में रूपांतरण कनिमोझी ने किया था। अब आप समझ लीजिए, हिंदी को लेकर कनिमोझी का विरोध कैसा था? अब एम.के. स्टालिन पर आते हैं। स्टालिन अब केवल हिंदी का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि वो इससे आगे बढ़कर संस्कृत तक पहुंच गए हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया है कि संघ परिवार का असली एजेंडा संस्कृत को थोपने का है। हिंदी को लेकर उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि हिंदी के कारण यूपी-बिहार में 25 से ज्यादा भाषाएं खत्म हो गईं हैं।यह रिसर्च स्टालिन ने कब कराई? यह उन्होंने बताया नहीं है। साफ दिख रहा है कि स्टालिन एक बार फिर भाषा के आधार पर भावनाओं को भड़का कर वोट लेने की मंशा रखते हैं। संभवतः पिछले 4 सालों में उन्होंने क्या काम कराए हैं, यह बताने के लिए नहीं है। इसलिए राजनीति अब हिंदी-संस्कृत पर आकर रुक गई है। आखिर एक नई भाषा को सीखने में हर्ज क्या है? क्या तमिलनाडु के युवाओं को हिंदी नहीं आनी चाहिए? यदि अवसर मिले तो हिंदी भाषी युवा भी तमिल सीखना चाहेगा। आज हिंदी बोलने वालों की संख्या दुनिया में 70 करोड़ से अधिक है। भारत में ही 53 करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते हैं। हिंदी का बहुत बड़ा बाजार है। हिंदी की मांग पूरी दुनिया में बढ़ रही है।ऐसे में किसी एक राज्य के युवाओं को हिंदी जैसी भाषा से राजनीतिक कारणों से दूर करना कितना उचित है? फिर नई शिक्षा नीति-2020 में कहीं भी यह बाध्यता नहीं है कि आपको हिंदी सीखनी ही है। किसी दूसरी भारतीय भाषा को भी तमिलनाडु के युवा सीख सकते हैं। साफ है कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन जानबूझकर हिंदी का ही विरोध कर रहे हैं। मातृभाषा में पढ़ाई और अंग्रेजी या अन्य विदेशी भाषा में पढ़ाई हो ही रही है। यह भी सत्य है कि तमिलनाडु में भाजपा धीरे-धीरे अपना वोटबैंक बढ़ा रही है। इस समय द्रमुक के आगे बड़ी चुनौती यह है कि भाजपा का मत प्रतिशत तमिलनाडु में बढ़ रहा है। अगर वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों की बात करें तो डीएमके को 46.9झ् वोट मिले, जो वर्ष 2019 के मुकाबले 6.18झ् कम थे, जबकि एआईएडीएमके ने 23.05झ् हासिल किए, जो पिछले चुनाव से 1.50झ् ज्यादा थे।

चेतावनियों के बावजूद एक और एवलांच हादसा

इस क्षेत्र में यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भारत-तिब्बत सीमा के निकट स्थित मलारी और सुमना के बीच ऐसा ही एवलांच हादसा हुआ था जिसमें एक दर्जन से अधिक मजदूर एवलांच में दब कर मर गए थे। ये

घटनाएं केवल चमोली जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गत 27 फरवरी को गंगोत्री के शीतकालीन पूजास्थल मुखवा और हरसिल की यात्रा प्रस्तावित थी जो कि खराब मौसम की चेतावनी के कारण स्थगित हो गई। उसी मौसम विभाग ने 27 फरवरी को उत्तराखण्ड में मौसम के बहुत खराब रहने और हिमस्खलन की चेतावनी भी दी थी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण ने 27 फरवरी के लिए जो हिमस्खलन की चेतावनी जारी की थी उसमें अन्य क्षेत्रों की तरह चमोली जिले के लिए यलो एलर्ट में रखा गया था और 28 फरवरी के लिए रेड एलर्ट की गंभीर चेतावनी जारी की गई थी। उस गंभीर चेतावनी में हिमस्खलन के लिए जम्मू-कश्मीर के 9 जिलों, लद्दाख के कारगिल, हिमाचल प्रदेश के भी 4 जिलों और उत्तराखण्ड के चमोली जिले को शामिल किया गया था। रेड एलर्ट की चेतावनी 2400 मीटर से ऊपर के इलाकों के लिए थी और बाकी उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और बागेश्वर के लिए यलो एलर्ट था। इन चेतावनियों के बावजूद चमोली जिले में माणा दर्रे और और बदरीनाथ के बीच लगभग 4000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित घस्तोली के निकट हिमस्खलन का इतना बड़ा हादसा हो गया जिसमें 55 मजदूर दब गए। जो कि मानव जीवन के प्रति एक घोर लापरवाही का ताजा तरीन उदाहरण है। हालांकि सौभाग्य से बर्फ के विशाल मलबे के नीचे दबे लोगों को बाहर तो निकाल लिया गया मगर इस संकट से बचने की सावधानी और सतर्कता अभी भी दफन नजर आ रही है। इस क्षेत्र में यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भारत-तिब्बत सीमा के निकट स्थित मलारी और सुमना के बीच ऐसा ही एवलांच हादसा हुआ था जिसमें एक दर्जन से अधिक मजदूर एवलांच में दब कर मर गए थे। ये घटनाएं केवल चमोली जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में हिमालय की विशेष भौगोलिक स्थिति के कारण इस तरह की घटनाएं न केवल आम हैं अपितु जलवायु परिवर्तन के कारण इन घटनाओं में वृद्धि भी हो रही है। ये प्राकृतिक घटनाएं निरन्तर होती रहेंगी और इनसे बचाव का सबसे बड़ा उपाय सावधानी और सतर्कता ही है जो कि कहीं दिखाई नहीं दे रही है जिसका एक और जीता जागता उदाहरण माणा में सामने आ गया है।हिमालय क्षेत्र में हिमस्खलन (र्न्हिम्प) एक गंभीर प्राकृतिक आपदा है, जो हर साल कई लोगों की जान लेती है। विशेष रूप से, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश जैसे क्षेत्रों में यह खतरा अधिक रहता है। ग्लोबल वॉर्मिंग, मानवजनित गतिविधियों और प्रशासनिक लापरवाही के चलते हाल के वर्षों में हिमस्खलनों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। इन क्षेत्रों में बर्फ की मोटी परतें जमा होती हैं, जो किसी भी हलचल, कंपन या तापमान परिवर्तन के कारण नीचे खिसक सकती हैं। पिछले कुछ दशकों में कई विनाशकारी हिमस्खलन हुए हैं। 2021 में उत्तराखंड के जोशीमठ के पास आए हिमस्खलन में कई मजदूर और सेना के जवान प्रभावित हुए थे। 2019 में सियाचिन ग्लेशियर में हिमस्खलन की चपेट में आकर भारतीय सेना के 4 जवान और 2 कुली मारे गए थे। 2016 में सियाचिन ग्लेशियर में ही एक और हिमस्खलन हुआ, जिसमें 10 सैनिकों की जान गई थी। 2013 में उत्तराखंड त्रासदी में भी हिमस्खलनों ने तबाही मचाई थी। हालांकि, सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है लेकिन हिमस्खलन से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए पर्याप्त सावधानियां नहीं बरती जाती हैं। जलवायु परिवर्तन की अनदेखी इसका एक बड़ा कारण है। तापमान में वृद्धि के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे हिमस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसके अलावा, निर्माण कार्यों का अंधाधुंध विस्तार भी खतरा बढ़ा रहा है। सड़कों, जलविद्युत परियोजनाओं और पर्यटन स्थलों के अनियंत्रित निर्माण से पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ रहा है। समुचित चेतावनी प्रणाली का अभाव भी एक प्रमुख समस्या है, क्योंकि उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में हिमस्खलन की चेतावनी देने वाली तकनीक का अभाव है। आपदा प्रबंधन की कमजोर स्थिति के कारण राहत कार्यों में देरी होती है, जिससे जान-माल का अधिक नुकसान होता है। हिमस्खलन का सबसे अधिक खतरा उन इलाकों में होता है जहां अधिक ऊंचाई पर बर्फ जमती है और फिर कमजोर परतें बनकर नीचे खिसकती हैं। सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में सियाचिन ग्लेशियर, उत्तराखंड के बद्रीनाथ, केदारनाथ, जोशीमठ और पिथौरागढ़, हिमाचल प्रदेश के किन्नौर और लाहौल-स्पीति, लद्दाख और काराकोरम क्षेत्र, और सिक्किम तथा अरुणाचल प्रदेश के ऊँचाई वाले इलाके शामिल हैं। इन क्षेत्रों में सेना और स्थानीय लोगों को हमेशा सतर्क रहना पड़ता है। जाती हुसी सर्दियों में हिमस्खलन का खतरा सबसे अधिक मार्च के महीने में रहता है।? हिमस्खलन के कई कारण हो सकते हैं। भूगर्भीय गतिविधियाँ जैसे भूकंप और हलचल बर्फ के बड़े टुकड़ों को अस्थिर कर सकते हैं। मानवजनित गतिविधियाँ, जैसे सड़क निर्माण, विस्फोट और भारी वाहन चलाने से कंपन पैदा होता है, जिससे बर्फ खिसक सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे बर्फ की स्थिरता प्रभावित हो रही है। अत्यधिक बर्फबारी और तेज हवाएँ भी बर्फ के कमजोर हिस्सों को अस्थिर कर सकती हैं। सर्दियों में भारी हिमपात के बाद यदि तापमान अचानक बढ़ता है, तो हिमस्खलन की संभावना अधिक हो जाती है। हिमस्खलन से होने वाली क्षति को रोकने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। अत्याधुनिक चेतावनी प्रणाली विकसित की जानी चाहिए ताकि समय पर लोगों को सतर्क किया जा सके। संवेदनशील क्षेत्रों का नक्शा बनाकर वहां के विकास कार्यों को नियंत्रित किया जाना चाहिए। प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बचाव तकनीक और आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। वनों की कटाई रोककर प्राकृतिक अवरोध बनाए जा सकते हैं, जिससे हिमस्खलनों के प्रभाव को कम किया जा सके। अनियंत्रित पर्यटन और भारी निर्माण कार्यों पर भी रोक लगाई जानी चाहिए। हिमस्खलन से पहले, रेडियो सुनें, टीवी देखें और समाचार पत्रों से मौसम अपडेट प्राप्त करें। यदि आधिकारिक चेतावनी जारी की जाती है, तो घर के अंदर रहें और सभी बाहरी योजनाओं को निलंबित कर दें। खड़ी ढलानों और संवेदनशील क्षेत्रों से बचें। निकासी योजना तैयार रखें और निकासी मार्गों को चिह्नित करें। यदि खतरा कम है, तो ढलानों पर सावधानीपूर्वक चलें और अपने ट्रैकिंग पथ को किसी कपड़े, लकड़ी की छड़ी आदि से चिह्नित करनी चाहिए। यदि हिमस्खलन में फंस जाएं, तो सतह के करीब रहने या किनारे की ओर हटने का प्रयास करें। किसी मजबूत वस्तु को पकड़ना चाहिए। एक हाथ से वायु जेब बनाकर सांस लेने की जगह बनाएं। यदि सतह तक नहीं पहुंच सकते, तो शांत और नियंत्रित रूप से सांस लें। शांत रहें और बचाव दल को संकेत देने के लिए नियमित रूप से सतह पर प्रहार करें।सतर्क रहें, तैयार रहें। हिमालयी क्षेत्र में हिमस्खलन एक गंभीर खतरा बना हुआ है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रशासन, वैज्ञानिक समुदाय और स्थानीय लोगों को मिलकर इस चुनौती से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाने होंगे। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और सतत विकास को अपनाने से ही हिमस्खलन के खतरों को न्यूनतम किया जा सकता है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

कन्नप्पा' का टीजर हुआ रिलीज, अपने कबीले के लिए लड़ते दिखे विष्णु मांचू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। साउथ इंडियन फिल्म 'कन्नप्पा' का टीजर रिलीज हो चुका है। फैंस को इस फिल्म के टीजर का मांचू अपने कबीले को आक्रमण से बचाने की सौगंध खाते हुए नजर आए। वह एक योद्धा की भूमिका में दिखे, जो अपने कबीले की आखिरी आशा बढ़ने वाली है। एक मिनट 25 सेकंड के टीजर में कुछ सेकंड्स के लिए वार सीक्वेंस भी देखने को मिला। इस दौरान विष्णु मांचू तीर-धनुष के साथ

लंबे समय से इंतजार था।साउथ इंडियन फिल्म 'कन्नप्पा' का टीजर रिलीज हो चुका है। फैंस को इस फिल्म के टीजर का लंबे समय से इंतजार था। निर्माता पहले ही फिल्म से जुड़े अभिनेताओं का लुक जारी करते हुए उनके किरदार से भी परिचित करा चुके हैं। अब टीजर से उन्होंने उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। टीजर में विष्णु मांचू थिन्नाणु के किरदार में नजर आए हैं, जो अपने कबीले को दुश्मनों से बचाने के लिए युद्ध करते दिखे। विष्णु मांचू की बहुप्रतीक्षित फिल्म के टीजर में विष्णु हैं। टीजर की शुरुआत एक चेतावनी, ङ्कसंकट का समय हमारे बहुत निकट आ पहुंचा है, शत्रु यमदूतों की तरह हमारे कबीले का नाश करने आ रहे हैंष्ठङ्ग से होता है। वहीं, टीजर में अक्षय कुमार महादेव के किरदार में और काजल अग्रवाल माता पार्वती के के रूप में नजर आए। टीजर में आगे माता पार्वती ने शिव से पूछा कि ये आपका भक्त कैसे बनेगा? इसके बाद प्रभास की रुद्र के रूप में एंट्री दिखाई गई, जिसे देखकर लगता है कि वह युद्ध में थिन्नाणु की मदद करेंगे। ट्रेलर देखकर संभवतः फैंस की उत्सुकता दुश्मनों से लोहा लेते नजर आएं।विष्णु मांचू की बहुप्रतीक्षित फिल्म 25 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में विष्णु मांचू, मोहन बाबू, प्रभास, मोहनलाल, अक्षय कुमार, शरत कुमार, काजल अग्रवाल, अर्पित रांका, ब्रह्मानंदम, सप्तागिरी, मुकेश ऋषि, मधुबाला, ऐश्वर्या भास्करन, ब्रह्माजी, देवराज, रघु बाबू, शिव बालाजी, संपत राम, लवी पजनी, सुरेखा वाणी, प्रीति मुकुंदन, कौशल और अधर्स रघु जैसे कलाकार शामिल हैं।

'छावा' 400 करोड़ रुपये के पार, पहले दिन लाखों में सिमटी सोहम की 'क्रेजी'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर 'छावा' के पांव मजबूती के साथ जमे हैं। सोहम शाह की फिल्म 'क्रेजी' ने बहुत धीमी शुरुआत की है और 'मेरे हसबैंड की बीवी' का हाल बहुत बुरा है। आइए जानते हैं शुक्रवार को इन फिल्मों ने कितने की कमाई की।बॉक्स ऑफिस पर 'छावा' ने

अपनी पकड़ बना रखी है। छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला, जिसकी बदौलत इसने 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया और कई फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। 28 फरवरी को सिनेमाघरों में सोहम शाह की क्रेजी ने भी दस्तक दी। फिल्म को समीक्षकों से तो सकारात्मक प्रतिक्रिया मिला, लेकिन कमाई के मामले में यह कमजोर निकली। अर्जुन कपूर, रकुल प्रीत सिंह और भूमि पेडनेकर की 'मेरे हसबैंड की बीवी' का खेल अब बस कुछ ही दिनों का बचा है। आइए जानते हैं शुक्रवार को इन फिल्मों ने कुल कितना कलेक्शन किया।

श्रीदेवी समेत इन सितारों ने ठुकराए हॉलीवुड के ऑफर, शाहरुख का जवाब रहा सबसे सटीक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।जहां कई बॉलीवुड सितारे हॉलीवुड में काम करने का सपना देखते हैं, वहीं, कई दिग्गज ऐसे भी हैं, जिन्होंने हॉलीवुड के कई प्रोजेक्ट्स को ठुकरा दिया है। आइए जानते हैं इस लिस्ट में कौन-कौन शामिल है।यूं तो भारतीय सिनेमा के सितारों की झलकियां अपनी फिल्मों और वेब सीरीज में दिखाकर हॉलीवुड के बड़े स्टूडियो खुद को समावेशी सिनेमा का अगुआ दिखाने की कोशिशें करते रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में प्रियंका चोपड़ा को छोड़ दूसरे किसी कलाकार ने अपने पैर हॉलीवड में मजबूती से जमाए नहीं हैं। प्रियंका के अलावा दूसरे कई कलाकारों को वहां की प्रतिष्ठित फिल्मों मे काम करने के प्रस्ताव मिले और इनमें से कई ने वहां की फिल्मों म भी किया। लेकिन, हॉलीवुड की फिल्मों को ठुकराने वाले दिग्गज भी कम नहीं हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में।कालजयी अभिनेता दिलीप कुमार को हॉलीवुड की प्रतिष्ठित फिल्म ठलॉरेंस ऑफ अरेबियाठ में मुख्य भूमिका निभाने का प्रस्ताव मिला था। निर्देशक डेविड लीन ने उन्हें इस फिल्म मे शेरिफ अली के किरदार के लिए चुना था, जो बाद में अभिनेता ओमर शरीफ ने निभाया। दिलीप कुमार ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया हालांकि, उन्होंने ऐसा क्यूं किया ये तो नहीं पता पर उन्होंने ओमर शरीफ के काम की काफी तारीफ की। निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'इंटरस्टेलर' में इरफान खान को एक महत्वपूर्ण भूमिका ऑफर की गई थी। इस भूमिका के लिए उन्हें चार महीने तक अमेरिका में रहना पड़ता, जो उनके अन्य प्रोजेक्ट्स के साथ मेल नही खाता था। इरफान उस दिनों हिंदी सिनेमा की दो फिल्मों 'डी डे' और 'लंचबॉक्स' में काम कर रहे थे। इसलिए उन्होंने इस ऑफर को अस्वीकार कर दिया। 'पीकू' के वक्त

भी उन्हें 'द मार्शियन' का ऑफर आया था लेकिन उन्होंने इसे भी मना कर दिया। भारतीय सिनेमा में बॉक्स ऑफिस के बादशाह कहलाने वाले अभिनेता शाहरुख खान को डैनी बॉयल की ऑस्कर विजेता फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' में गेम शो होस्ट की भूमिका ऑफर की गई थी। चूंकि वह एक नेगेटिव किरदार था, इसलिए उन्होंने इस भूमिका को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि यह भूमिका उनके लिए उपयुक्त नहीं थी। उसके बाद अनिल कपूर को इस रोल के लिए चुना गया था। शाहरुख खान से अक्सर हॉलीवुड फिल्मों को लेकर सवाल पूछे जाते हैं, ऐसे ही एक मौके पर शाहरुख ने कहा था कि बजाय वहां की फिल्मों का आधार भारत में तैयार करने में मदद करने के, वह चाहेंगे कि वह भारतीय सिनेमा को दुनिया भर में लेकर जाएं और इसमें हॉलीवुड भी शामिल है।ऐश्वर्या राय बच्चन ग्लोबल एक्टर कहा जाता है। इनको 'ट्रॉय' फिल्म में ब्रैड पिट के साथ मुख्य किरदार के लिए भूमिका ऑफर की गई थी। हालांकि, इस भूमिका में बोल्ड सीन्स भी शामिल थे, जिसे करने में वह सहज नही थी, इसलिए उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। फिल्म 'ट्रॉय' को अकेडमी अवॉर्ड के लिए चुना गया। ऐश्वर्या ने हालांकि फिल्म 'ब्राइड एंड प्रिज्युडिस' जैसी कई फिल्मों मे काम किया है। फिल्म 'उड़ान' के बाद रॉनित रॉय को कई फिल्म्स मे देखा गया है। ऑस्कर विजेता फिल्म 'जीरो डार्क थर्टी' मे रोनित रॉय को एक महत्वपूर्ण रोल की पेशकश की गई थी। ये एक पोलिटिकल एक्शन थ्रिलर फिल्म थी। उसी समय वह करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' की शूटिंग में व्यस्त थे। अपनी व्यस्तता के कारण उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। प्रियंका चोपड़ा को फिल्म 'इम्मोर्टल' में फ्रीडा पिंटो वाला किरदार ऑफर किया गया था। इस फिल्म की शूटिंग का समय उनकी एक हिंदी फिल्म '7 खून माफ' की शूटिंग भी चल रही थी। इस फिल्म की तारीखें जब हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग तारीखें के साथ टकराईं तो प्रियंका ने हिंदी फिल्म को तवज्जो दी। बाद में प्रियंका को हॉलीवुड के कई प्रस्ताव मिले और इन फिल्मों व सीरीज में प्रियंका ने कई बोल्ड सीन्स भी किए। दीपिका पादुकोण के साथ काम करने की ख्वाहिश भारतीय सिनेमा के हर निर्देशक को रहती है। उन्होंने विन डीजल के साथ 'ट्रिपल एक्स' में काम भी किया है लेकिन क्या आपको पता है कि दीपिका को सबसे मशहूर बाइक और कार फ्रेंचाइजी की फिल्म 'फास्ट एंड फ्यूरियस 7' में भी एक प्रमुख भूमिका ऑफर की गई थी। उस समय वह फराह खान की फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' की शूटिंग मे व्यस्त थीं, जिसके चलते उन्होंने इस ऑफर को अस्वीकार कर दिया। श्रीदेवी ने अपने करियर में 100 से भी ज्यादा फिल्में कीं। श्रीदेवी को हॉलीवुड फिल्मों के लिए भारत में डब संस्करणों को सीधे सिनेमाघरों में रिलीज करने का रास्ता खोलने वाली फिल्म 'जुरासिक पार्क' फिल्म में एक रोल ऑफर हुआ था। रोल काफी छोटा था और उस वक्त श्रीदेवी अपने करिअर के ऊंचाइयों पर थी इसलिए उन्होंने इसे करना उचित नहीं समझा और इस प्रस्ताव के लिए मना कर दिया।

चौराहे पर खड़ी होकर नोरा फतेही ने दिखाए जलवे, यूजर कर रहे बेहतरीन कमेंट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। चौराहे पर खड़ी होकर नोरा फतेही ने दिखाए जलवे, यूजर कर रहे बेहतरीन कमेंटबॉलीवुड की

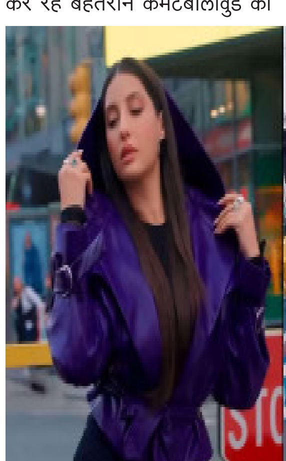

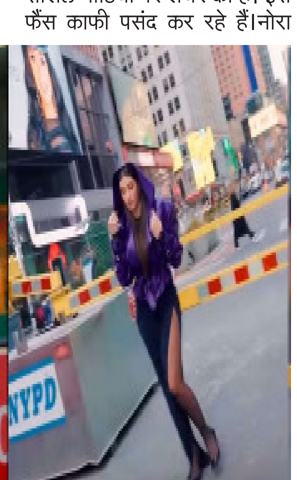

अभिनेत्री नोरा फतेही अपनी बेहतरीन डांस के लिए जानी जाती हैं। वह डांस करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती हैं। नोरा फतेही सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह यहां अक्सर अपनी बेहतरीन तस्वीरें और वीडियो साझा करती रहती हैं। हाल ही में नोरा फतेही ने अपनी एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर की है। इसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।नोरा फतेही ने अपनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में वह एक शहर के चौराहे पर खड़ी होकर पोज दे रही हैं। इसके बाद वह स्टाइलिस्ट अंदाज में चलती नजर आ रही हैं। नोरा फतेही ने बैंगनी जैकेट पहनी है और थाई हाई स्लिट स्कर्ट पहनी है। नोरा ने वीडियो में जबरदस्त एक्प्रेशन दिए हैं। वीडियो के बैकग्राउंड में गाना भी बज रहा है। नोरा फतेही के फैंस इस वीडियो को लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट कर रहे हैं। ज्यादातर यूजर ने नोरा फतेही की वीडियो पर दिल और फायर इमोजी कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा है 'आप सबसे बेहतर हो।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'आपका ये अंदाज बहुत अच्छा है।' एक और यूजर ने नोरा फतेही की तारीफ में लिखा है 'वाकई आप बहुत खूबसूरत हो।'नोरा फतेही बॉलीवुड में अपनी डांस के अलावा एक्टिंग के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने 'रोर' फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा। वह 'बाहुबली' फिल्म में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने बॉलीवुड को 'ओ साकी साकी', 'इक तो कम जिंदगानी' और 'नाच मेरी रानी' जैसे बेहतरीन आइटम नंबर दिए हैं। नोरा फतेही हाल ही में 'स्नेक' गाने में नजर आई थीं। इस गाने को लोगों ने इतना देखा है कि यह गाना यूट्यूब पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाले गानों में दूसरे नंबर पर आ गया। नोरा फतेही कई डांस शो में बतौर जज नजर आती हैं।

क्या नौ दिन पहले ही हो गई थी ऑस्कर विजेता जीन हैकमैन की मौत जांच में हुए ये बड़े खुलासे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।हॉलीवुड के दिग्गज अभनेता जीन हैकमैन और उनकी पत्नी की संदिग्ध हालत में मृत्यु हो गई कर दिया है। इस मामले की जांच चल रही है, जिसमें कई खुलासे हो रहे हैं। जांच एजेंसी की प्रारंभिक जांच में पता चला कि कॉर्बन मोनोऑक्साइड

थी, जिसमें अब जांच में यह सामने आया कि कॉर्बन मोनोऑक्साइड उनकी मृत्यु का कारण नहीं है। जांच में पता चला कि अभिनेता के पेसमेकर ने नौ दिन पहले ही काम करना बंद कर दिया था। जानिए मौत का कारण?ऑस्कर विजेता जीन हैकमैन और उनकी पत्नी बेट्सी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने लोगों को हैरान उनकी मृत्यु का कारण नहीं है। जानिए जांच संबंधी पूरी बात।हॉलीवुड अभिनेता और उनकी पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत मामले की जांच चल रही है, जिसमें जांच के प्रारंभिक परीक्षण में अभिनेता जीन हैकमैन और उनकी पत्नी की मौत का कारण नहीं पता चला पाया है। जांच एजेंसी के मुख्य अधिकारी शेरिफ ने कहा कि कॉर्बन मोनोऑक्साइड जहर उनकी मौत का कारण नहीं है, जो कि रसोई घरों में ईंधन जलाने वाली वस्तुओं से निकलने वाली रंगहीन और गंधहीन गैस है। साथ ही मेंडोजा ने कहा कि पेसमेकर की जांच करने के दौरान पता चला कि अभिनेता के पेसमेकर ने 17 फरवरी से ही काम करना बंद कर दिया था। इसका मतलब कि इनकी मृत्यु नौ दिन पहले भी हो सकती है। इसपर डॉ फिलिप कीन ने कहा कि जिस पल पेसमेकर काम करना बंद कर देता है, उस समय व्यक्ति की मृत्यु का संकेत हो सकता है, लेकिन हमेशा नहीं।ऑस्कर विजेता एक्टर जीन हैकमैन का शव उनके घर सांता फे. न्यू मैक्सिको के प्रवेश द्वार पर मिला था, वहीं उनकी पत्नी का शव बाथरूम में मिला। साथ ही वहां काउंटर पर खुली हुई प्रिस्क्रिप्शन बोतल और गोलियां भी बिखरी हुई मिली थी। गोलियां और अन्य दवाएं इनकी मौत का कारण है या नहीं इस बात की जानकारी आने वाली जांच रिपोर्ट में पता चलेगा।

प्रियंका को ही भेज दिया नामी डिजाइनर ने उनकी बुराई वाला मैसेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।प्रियंका चोपड़ा को मुश्किल से मुश्किल सिचुएशन को अच्छे से संभालना आता है। हाल ही में प्रियंका की मां मधु चोपड़ा ने

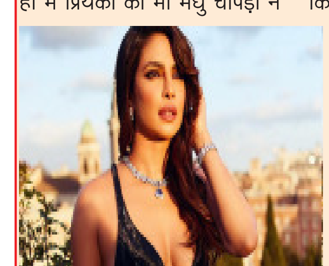

एक पुराना किस्सा सुनाया, जब एक नामी डिजाइनर ने एक्ट्रेस को ही उनकी बुराई वाला मैसेज भेज दिया। इसके बाद क्या हुआ, जानिए बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक प्रियंका चोपड़ा ने अपने लिए एक खास जगह बनाई है। वह इंडस्ट्री में कई लोगों की अच्छी दोस्त भी हैं। यहां तक कि जो लोग प्रियंका को पसंद नहीं करते हैं बाद में उनके नेचर की वजह से उनके कायल हो जाते हैं। एक नामी डिजाइनर से जुड़ा ऐसा ही किस्सा मधु चोपड़ा यानी प्रियंका चोपड़ा की मां ने हाल ही में साझा किया। लहरे रेट्रो को दिए गए एक इंटरव्यू में मधु चोपड़ा बताती हैं कि दोस्तान फिल्म की शूटिंग के दौरान डिजाइनर मनीष मल्होत्रा, प्रियंका चोपड़ा के साथ काम कर रहे हैं। किसी वजह से इनकी सेट पर नहीं बन रही थी। जब फिल्म की शूटिंग खत्म हुई तो करण जौहर ने एक मैसेज मनीष मल्होत्रा को किया। करण के मैसेज के बदले में मनीष मल्होत्रा ने लिखा कि अच्छा हुआ फिल्म खत्म हुई, अब प्रियंका से पीछा छूट जाएगा। यह मैसेज मनीष मल्होत्रा, करण जौहर को भेजने वाले थे। लेकिन वह गलती से प्रियंका को ही आ गया।मनीष मल्होत्रा का मैसेज देखकर प्रियंका को बुरा लगा। बाद में मनीष को अहसास हुआ कि उन्होंने गलती कर दी है। दोनों ने आपस में बातचीत की।

राशिफल

मेष-:स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है।

वृष- सप्ताह आपके लिए मंगलमय रहेगा। आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-: भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-:जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-: आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-: आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-: भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-: भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से विचलित हो सकता है।

मकर-:खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-: आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-: आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

पत्रकार को अपशब्द कहने पर जॉन ने मांगी माफी, बोले- अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली थी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता जॉन अब्राहम को अपनी फिल्मों के ट्रेलर रिलीज या दूसरे सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाना अच्छा नहीं लगता। अपनी नई फिल्म 'द डिप्लोमैट' के लिए भी वह पत्रकारों से अलग-अलग ही मिल रहे हैं, फिल्म के निर्देशक शिवम नायर के साथ इस फिल्म की खासियतों के बारे में भी बता रहे हैं। 'अमर उजाला' से बातचीत के दौरान उन्होंने इस फिल्म के अलावा बीते साल रिलीज हुई फिल्म 'वेदा' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में हुए हादसे के बारे में भी बात की और पहली बार कैमरे के सामने माना कि इसमें गलती उनकी ही थी। ये बातचीत 'अमर उजाला' के खास कार्यक्रम 'शुक्ल पक्ष' के लिए रिकॉर्ड हुई है और जल्द ही 'अमर उजाला' के यूट्यूब चैनल व फेसबुक पेज पर प्रकाशित की जाएगी। पाकिस्तान में तैनात रहे भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी जे पी सिंह के जीवन पर बनी फिल्म 'द डिप्लोमैट' की शूटिंग बीते साल ही खत्म हो गई थी। लेकिन, जॉन बताते हैं, फिल्म के निर्देशक शिवम नायर को हर सीन को करीने से एडिट करने और उसमें कहीं बी कोई खामी न रहने देने का जुनून सा रहता है। वह फिल्म को शूट करने के बाद एडिट टेबल पर भी काफी करीने से संवारते हैं और उनके इसी जुनून को देखकर मुझे उनके साथ काम करना बहुत अच्छा लगा। इस फिल्म के लिए ही मैं और शिवम पहली बार मिले।शिवम नायर की गिनती हिंदी सिनेमा के उन काबिल निर्देशकों में होती रही है, जिन्होंने कभी अपने काम का प्रचार-प्रसार नहीं

किया। हिंदी में बनी सबसे अच्छी पांच वेब सीरीज में शामिल रही जासूसी सीरीज 'स्पेशल ऑप्स' में उनका काम पहली बार दुनिया भर के दर्शकों ने देखा। इस सीरीज के उन सारे दृश्यों का, जो भारत में शूट किए गए हैं, उनका निर्देशन शिवम ने ही किया है। जॉन कहते हैं, फिल्म की कहानी जब मेरे पास आई और जब मैं फिल्म के निर्देशक शिवम नायर से मिला तो उनकी तैयारी देख मैं काफी प्रभावित हुआ। इसके बाद शिवम के साथ मैंने कई बार इसकी पूरी स्क्रिप्ट पढ़ी और शूटिंग शुरू होने से पहले एक्टिंग कोच सौरभ सचदेवा के साथ इस किरदार की बारीकियां भी समझी हैं।ये पूछे जाने पर कि पचास साल की उम्र पार होने के बाद अमूमन इंसान का गुस्सा कम होने लगता है, तो क्या जॉन भी अपने भीतर ये बदलाव महसूस करते हैं। जॉन कहते हैं, हां, मैं अब उतना गुस्सा नहीं करता। अपनी बात कहने में मैं अब भी पीछे नहीं रहता, लेकिन अब मैं अपने उत्तरों को डिप्लोमैटिक तरीके से पेश करना सीख गया हूं। पहले मैं जो कुछ भी मन में आता था, कह देता था, लेकिन मुझे लगता है गलतियों से सबक लेना ही किसी इंसान के प्रौढ़ होने की निशानी है।और, ऐसी ही गलती उनसे बीते साल फिल्म 'वेदा' के ट्रेलर रिलीज कार्यक्रम में एक पत्रकार के सवाल के जवाब में अपशब्द कहने की हुई? जॉन शायद इस सवाल के लिए तैयार नहीं थे। लेकिन, बात की संजीदगी को समझते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि हां उनसे गलती हुई। जॉन कहते हैं, मुझे इस तरह से अपनी प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए थी। वह 'बेचारा' तो अपना काम ही कर रहा था। मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ और मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। मैं आमतौर पर ऐसे कार्यक्रमों में जाना टालता ही हूं। तब भी मैंने कहा था कि मुझे मत बुलाओ, अब देखिए ना, मैंने खुद ही अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली थी। फिल्म 'द डिप्लोमैट' 14 मार्च को रिलीज हो रही है।

स्पोर्ट्स

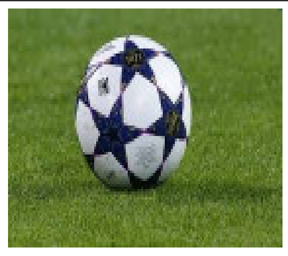

सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम बनी ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान को चमत्कार की आस, देखें समीकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। अफगानिस्तान की नजरें अब दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच शनिवार को होने वाले मुकाबले पर टिकी होंगी। दक्षिण अफ्रीका की

हार अफगानिस्तान के लिए दरवाजे खोल सकती है। भारत और न्यूजीलैंड के बाद ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम रही।अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच लाहौर में खेला गया मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया और मैच बेनतीजा रहा। मैच दोबारा नहीं होने का फायदा ऑस्ट्रेलियाई टीम को हुआ जिसने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अफगानिस्तान की उम्मीद धूमिल हो गई हैं, लेकिन उसका सफर आधिकारिक रूप से अभी खत्म नहीं हुआ है। अफगानिस्तान की नजरें अब दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच शनिवार को होने वाले मुकाबले पर टिकी होंगी। दक्षिण अफ्रीका की हार अफगानिस्तान के लिए दरवाजे खोल सकती है। भारत और न्यूजीलैंड के बाद ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम रही।अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच लाहौर में खेला गया मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया और मैच बेनतीजा रहा। मैच दोबारा नहीं होने का फायदा ऑस्ट्रेलियाई टीम को हुआ जिसने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अफगानिस्तान की उम्मीद धूमिल हो गई हैं, लेकिन उसका सफर आधिकारिक रूप से अभी खत्म नहीं हुआ है। अफगानिस्तान की नजरें अब दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच शनिवार को होने वाले मुकाबले पर टिकी होंगी। दक्षिण अफ्रीका की हार अफगानिस्तान के लिए दरवाजे खोल सकती है। भारत और न्यूजीलैंड के बाद ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम रही।अगर दक्षिण अफ्रीका को इंग्लैंड के खिलाफ बड़ी हार का सामना करना पड़ा और उसका नेट रन रेट अफगानिस्तान से कम रहा तो अफगानिस्तान आगे बढ़ सकती है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका का नेट रन रेट अफगानिस्तान से काफी बेहतर है और कोई चमत्कार ही अब अफगानिस्तान को सेमीफाइनल का टिकट दिला सकता है। अफगानिस्तान की नजरें अब दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच शनिवार को होने वाले मुकाबले पर टिकी होंगी। दक्षिण अफ्रीका की हार अफगानिस्तान के लिए दरवाजे खोल सकती है। इस मैच में इंग्लैंड अगर पहले बल्लेबाजी करने उतरता है तो दक्षिण अफ्रीका को कम से कम 207 रनों से हराना होगा। वहीं, जोस बटलर के नेतृत्व वाली टीम अगर दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरती है तो उन्हें 11.1 ओवर के अंदर लक्ष्य हासिल करना होगा।इससे पहले, अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया के सामने जीत के लिए 274 रनों का लक्ष्य दिया। ऑस्ट्रेलिया ने मैच रुकने तक 12.5 ओवर में एक विकेट पर 109 रन बना लिए थे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रेविस हेड 40 गेंदों पर नौ चौकों और एक छक्का की मदद से 59 रन और कप्तान स्टीव स्मिथ 19 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए कंगारू टीम ने मैथ्यू शॉर्ट का विकेट गंवा दिया था जो 15 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 20 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 165 रन और बनाने थे, लेकिन बारिश रुकने के बावजूद मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका क्योंकि मैदान काफी गीला था।

33 गेंदों के शेष रहते दिल्ली ने जीता मैच, डब्लूपीएल में सर्वाधिक 50 रन बनाने वाली बल्लेबाज बनीं लैनिंग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली।महिला प्रीमियर लीग का 13वां मुकाबला मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला गया। इस मैच में दिल्ली की कप्तान मेग लैनिंग ने टॉस जीतकर मुंबई को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। हालांकि, तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। उनके खाते में आठ अंक हैं और नेट रन रेट ‡0.201 है। वहीं, मुंबई दूसरे पायदान पर खिसक गई।124 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली ने दमदार प्रदर्शन किया। उनकी कप्तान मेग लैनिंग ने 40 गेंदों में अपने के बीच पहले विकेट के लिए 35 रनों की साझेदारी हुई जिसे शिखा पांडे ने तोड़ा। उन्होंने भारतीय बल्लेबाज को साराह ब्राइस के हाथों कैच कराया। वह 11 रन बना सकीं। इसके बाद सदरलैंड ने मैथ्यूज को पवेलियन भेजा। वह 22 रन बनाकर

हरमनप्रीत कौर की टीम इस मौके को भुनाने में नाकाम रही और 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 123 रन ही बना सकी। जवाब में दिल्ली ने 14.3 ओवर में एक विकेट खोकर 124 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। मेग लैनिंग और शेफाली वर्मा की तूफानी साझेदारी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने नौ विकेट से मुंबई इंडियंस को हरा दिया। शुक्रवार को बंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पिछले संस्करण की उपविजेता टीम ने टॉस जीतकर मुंबई इंडियंस को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। हालांकि, हरमनप्रीत कौर की टीम इस मौके को भुनाने में नाकाम रही और 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 123 रन ही बना सकी। जवाब में दिल्ली ने 14.3 ओवर में एक विकेट खोकर 124 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ दिल्ली कैपिटल्स एक बार फिर अंक डब्ल्यूपीएल करियर का आठवां अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ वह महिला प्रीमियर लीग में सर्वाधिक 50‡ स्कोर बनाने वाली पहली बल्लेबाज बन गईं। मुंबई के खिलाफ खेले गए इस मैच में वह 60 रनों की तूफानी पारी खेलकर नाबाद रहीं। इस दौरान उन्होंने नौ चौके लगाए। ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाज को पारी की शुरुआत में शेफाली वर्मा का साथ मिला। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी हुई। अमनजोत कौर ने अमेलिया कर के हाथों भारतीय बल्लेबाज को कैच आउट कराया। वह 28 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 43 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। वहीं, जेमिमा रोड्रिग्स 15 रन बनाकर नाबाद रहीं। इस मुकाबले में मुंबई की अमनजोत के अलावा सभी गेंदबाजों के हाथ खाली रहे।मुंबई की शुरुआत इस मुकाबले में अच्छी हुई थी। यास्तिका भाटिया और हीली मैथ्यूज लौटीं। इस मैच में मुंबई के बल्लेबाजों का बल्ला खामोश रहा। उनके लिए हरमनप्रीत कौर ने 22, अमेलिया कर ने 17, सजीवन सजना ने पांच, जी कमालिनी ने एक, संस्कृति गुप्ता ने तीन और अमनजोत कौर ने 17ङ रन बनाए। वहीं, दिल्ली की तरफ से जेस जोनासन और मिन्नू मणि ने तीन-तीन विकेट चटकाए जबकि शिखा पांडे और एनाबेल सदरलैंड को एक-एक सफलता मिली मुंबई इंडियंसः हीली मैथ्यूज, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नैट सिवर-ब्रंट, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), अमेलिया कर, अमनजोत कौर, सजीवन सजाना, जी कमालिनी, संस्कृति गुप्ता, शबनम इस्माइल, जिंतीमनी कलिता। दिल्ली कैपिटल्सः मेग लैनिंग (कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, एनाबेल सदरलैंड, मारिजन कप, जेस जोनासन, सारा ब्राइस (विकेटकीपर), निकी प्रसाद, शिखा पांडे, मिन्नू मणि, तितास साधु।

हमने सिर्फ मैक्सवेल नहीं, बल्कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम करो या मरो मुकाबले से पहले बोले शाहिदी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने 2023 विश्व कप में जीत के लिए 292 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 100 रन के अंदर सात विकेट गंवा दिए थे, लेकिन मैक्सवेल ने एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास की सबसे महान पारियों में

से एक खेलकर अपनी टीम को अविश्वसनीय जीत दिलाई थी। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने चैंपियंस ट्रॉफी में आज खेले जाने वाले अपने करो या मरो जैसे अहम लीग मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि उनकी टीम ने सिर्फ दिग्गज ग्लेन मैक्सवेल नहीं, बल्कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए योजनाएं बनाई है। इंग्लैंड पर बुधवार को आठ रन की यादगार जीत दर्ज करने के बाद अफगानिस्तान के सामने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए आज लाहौर में ऑस्ट्रेलिया को हराने की चुनौती है। यह मैच दोपहर ढाई बजे शुरू होगा।शाहिदी ने मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'क्या आपको लगता है कि हम सिर्फ मैक्सवेल के खिलाफ खेलने आएंगे? क्या आपको लगता है ऐसा ही होगा? हमने पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए योजना बनाई है। मुझे पता है कि उसने (मैक्सवेल) 2023 विश्व कप में वास्तव में अच्छा खेला था लेकिन वह इतिहास का हिस्सा है।'ऑस्ट्रेलिया ने 2023 विश्व कप में जीत के लिए 292 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 100 रन के अंदर सात विकेट गंवा दिए थे, लेकिन मैक्सवेल ने एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास की सबसे महान पारियों में से एक खेलकर अपनी टीम को अविश्वसनीय जीत दिलाई थी। ऑस्ट्रेलिया ने इसके कुछ ही दिनों के बाद रिकॉर्ड छठा विश्व कप जीता।अफगानिस्तान ने हालांकि उस हार का बदला टी20 विश्व कप 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के साथ लिया। इस मैच में भी मैक्सवेल ने आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को चुनौती दी थी। शाहिदी ने कहा, 'उसके बाद हमने उन्हें टी20 विश्व कप में हराया। हम प्रतिद्वंद्वी टीम के सभी खिलाड़ियों के बारे में सोचते हैं। हम सिर्फ व्यक्तिगत खिलाड़ियों पर योजना के साथ मैदान पर नहीं आ रहे हैं। हम पूरी टीम के लिए योजना के साथ आने की पूरी कोशिश करेंगे। हम सिर्फ मैक्सवेल के खिलाफ नहीं खेलेंगे। हम ऑस्ट्रेलिया से खेलेंगे।'इंग्लैंड के खिलाफ जीत से अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में जबरदस्त जश्न मनाया गया। प्रशंसकों ने सड़कों पर आतिशबाजी के साथ जश्न मनाया। अफगानिस्तान अगर ऑस्ट्रेलिया को हराने में सफल रहा तो वह 2024 में अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए टी20 विश्व कप के बाद एक साल से भी कम समय में आईसीसी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में लगातार दूसरी बार पहुंचेगा।शाहिदी हालांकि सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाओं के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं। शाहिदी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक अच्छा मैच होगा। हमारा ध्यान चीजों को सरल रखने पर होगा और सेमीफाइनल खेलने के बारे में ज्यादा चिंता नहीं करनी होगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज शुरू करने के सवाल पर गावस्कर की दो टूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत बनाम पाकिस्तान का मुकाबला एकतरफा रहा था। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने सभी विभागों

में दबदबा बनाया। अब इस साल के अंत में एशिया कप में भारत एक बार फिर पाकिस्तान से भिड़ सकता है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत बनाम पाकिस्तान का मुकाबला एकतरफा रहा था। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने सभी विभागों में दबदबा बनाया। अब इस साल के अंत में एशिया कप में भारत एक बार फिर पाकिस्तान से भिड़ सकता है। यह पूछे जाने पर भारत और पाकिस्तान द्विपक्षीय सीरीज कैसे खेल सकते हैं? गावस्कर ने 'टेन स्पोर्ट्स' शो 'ड्रेसिंग रूम' में कहा, 'सीमाओं पर स्पष्ट रूप से शांति बनाकर। यह बहुत सरल है। अगर सीमा पर शांति होती है, तो मुझे लगता है कि दोनों सरकारें निश्चित रूप से कहेंगी कि देखिए, ठीक है, हमारे यहां कोई घटना नहीं हुई है, कुछ भी नहीं। इसलिए कम से कम बात करना शुरू करते हैं।' गावस्कर का मानना है कि द्विपक्षीय मुकाबलों को फिर से शुरू करने के लिए आंतरिक रूप से प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन भारत के पाकिस्तान में खेलने से इनकार करने के पीछे सीमा पर बार-बार उठने वाला तनाव एक बड़ा कारक है। गावस्कर ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि कुछ बैक-चैनल कनेक्शन चल रहे होंगे। लेकिन आप देखना चाहते हैं कि मैदान के बाहर क्या हो रहा है क्योंकि हम पड़ोसी मुल्क से घुसपैठ के बारे में कई बार सुनते हैं। यही वजह है कि भारत सरकार कह रही है कि जब तक ये गतिविधियां बंद नहीं हो जाती, हमें किसी चीज के बारे में सोचना या बात करना भी नहीं चाहिए।' चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत बनाम पाकिस्तान का मुकाबला एकतरफा रहा था। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने सभी विभागों में दबदबा बनाया। अब इस साल के अंत में एशिया कप में भारत एक बार फिर पाकिस्तान से भिड़ सकता है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बार टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले महाद्वीपीय महाकुंभ में 19 मैच हो सकते हैं। यह टूर्नामेंट सितंबर में आयोजित होने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया कप 2025 की मेजबानी भारत को सौंपी गई थी, लेकिन भारत-पाकिस्तान समीकरण को देखते हुए एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने तटस्थ देश में मेजबानी करने का फैसला किया है। हालांकि, अभी तक स्थान पर अंतिम नहीं लिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीलंका और यूएई संभावित विकल्प हैं। बीसीसीआई नामित मेजबान रहेगा। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान नामित मेजबान हैं, लेकिन बीसीसीआई द्वारा अपनी टीम भेजने से इनकार करने के बाद भारत दुबई में अपने सभी मुकाबले खेल रहा है।

पाकिस्तान क्रिकेट में घमासान, मुश्ताक अहमद ने अकरम-यूनिस के खिलाफ दर्ज कराया मानहानि का मुकदमा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व लेग स्पिनर मुश्ताक अहमद ने पूर्व कप्तान वसीम अकमर और वकार यूनिस के खिलाफ उत्पीड़न और करियर को नुकसाने पहुंचाने के लिए मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है। पाकिस्तान के पूर्व लेग स्पिनर मुश्ताक अहमद ने पूर्व कप्तान वसीम अकमर और वकार यूनिस के खिलाफ उत्पीड़न और करियर को नुकसाने पहुंचाने के लिए मानहानि का मुकदमा दर्ज यूनिस दोनों ने शो में उनका मजाक उड़ाया और कोच के तौर पर उनकी भूमिका को कमतर आंका। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा, मेरे वकील जल्द ही उन दोनों को कानूनी नोटिस भेजेंगे। उन्होंने आगे वकार पर निजी टिप्पणी करते हुए पंजाबी में कहा, वकार यूनिस से कहो कि लड़ाई ऊंचाई से नहीं जीती जाती। मुझे मेरी ऊंचाई से मत आंको; मैं लड़ना जानता हूं। इसके जवाब में यूनिस ने कहा,

कराया है। उन्होंने इसकी जानकारी वीडियो जारी कर दी।दरअसल, पाकिस्तान के एक टीवी शो में मुश्ताक अहमद का एक पहले से रिकॉर्ड वीडियो जारी किया गया जिसमें बांग्लादेश के कोच ने वसीम अकरम और वकार यूनिस पर आरोप लगाया कि जब वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते थे तब दोनों उनके आत्मविश्वास को दबाने की कोशिश करते थे। मुश्ताक ने इस दौरान पाकिस्तान के पूर्व कप्तानों पर मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की बात ही। उन्होंने बताया कि दोनों क्रिकेटर्स को नोटिस भेजा जा चुका है। मुश्ताक ने वकार यूनिस पर 20 करोड़ रुपये (पाकिस्तानी रुपये) और वसीम अकरम पर 15 करोड़ रुपये की मानहानि का केस दर्ज कराने की बात कही। उनके इस बयान के बाद वकार ने माफी भी मांगी, लेकिन अकरम ने ऐसा करने से इनकार कर दिया और कहा कि वह अब मुश्ताक को कोर्ट में ही देखेंगे। अपने बयान में मुश्ताक ने आरोप लगाया कि अकरम और मेरे पास 200 मिलियन पाकिस्तानी रुपये नहीं हैं, इसलिए मैं अपने भाई से ईमानदारी से माफी मांगता हूं। इसके बाद उन्होंने मुश्ताक से उन्हें माफ करने का आग्रह किया और कहा, मुझे उम्मीद है कि आप अपना दिल साफ कर लेंगे और हमें माफ कर देंगे। अगर नहीं, तो हमारे पास आपसे निपटने के दूसरे तरीके हैं। पूर्व लेग स्पिनर ने दावा किया कि वसीम अकरम ने उनके करियर की शुरुआत में जानबूझकर उनके आत्मविश्वास को नुकसान पहुंचाया था। उन्होंने याद करते हुए कहा, वसीम मुझे अभ्यास के लिए ले जाते थे और मुझ पर बाउंसर फेंकते थे, जिससे मेरा आत्मविश्वास डगमगा गया। इसके कारण मेरा खुद पर से सारा विश्वास उठ गया। अन्यथा, मैं पाकिस्तान के सबसे महान ऑलराउंडरों में से एक हो सकता था। इसके जवाब में अकरम ने कहा, तुम कभी नाइट वॉचमैन नहीं बनने वाले थे। हर बार जब तुम्हें भेजा गया, तो तुम डक पर आउट हो गए। इसलिए, मैं तुम्हें कोर्ट में देखूंगा।

हर्ष दुबे ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, फाइनल की पहली पारी में विदर्भ ने केरल पर बढ़त बनाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। 22 वर्षीय गेंदबाज ने 88 रन देकर कुल तीन विकेट लिए। इसके साथ ही वह रणजी ट्रॉफी के एक सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। युवा स्पिनर ने इस सत्र में अब तक 69 विकेट चटकाकर 2018-19 में बिहार के आशुतोष अमन हुए जबकि सलमान निजार (21) और मोहम्मद अजहरुद्दीन (34) अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। दुबे के साथ दर्शन नालकंडे (52 रन पर तीन विकेट) और पार्थ रेखाडे (65 रन पर तीन विकेट) ने भी तीन-तीन विकेट लिए। हर्ष ने सरवटे को पहली स्लिप में कैच कराकर रणजी की लेकिन उनका प्रयास टीम को पहली पारी में बढ़त दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं था निजार ने अपनी 42 गेंद की पारी में तीन चौके लगाए। उन्हें हर्ष की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट दिया गया। केरल के खिलाड़ियों ने हालांकि इस फैसले पर निराशा जताई। निजार ने हर्ष की ऑफ स्टंप की बाहर टप्पा

के 68 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। हर्ष दुबे की अगुवाई में गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से विदर्भ ने शुक्रवार को केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल में तीसरे दिन पहली पारी में 37 रन की बढ़त हासिल कर ली। 22 वर्षीय गेंदबाज ने 88 रन देकर कुल तीन विकेट लिए।इसके साथ ही वह रणजी ट्रॉफी के एक सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। युवा स्पिनर ने इस सत्र में अब तक 69 विकेट चटकाकर 2018-19 में बिहार के आशुतोष अमन के 68 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।केरल के कप्तान सचिन बेबी (98) दो रन से शतक से चूक गए जबकि अनुभवी आदित्य सरवटे ने 185 गेंद में 79 रन की शानदार पारी खेली लेकिन विदर्भ के गेंदबाजों ने धैर्य बनाये रखते हुए केरल की पहली पारी को 342 रन पर समेट दिया। विदर्भ ने पहली पारी में 379 रन बनाए थे। सरवटे दिन के पहले सत्र में आउट ट्रॉफी के वर्तमान सत्र में अपना 67वां विकेट हासिल किया। इसके बाद उन्होंने लंच से ठीक पहले निजार को एलबीडब्ल्यू आउट करके बिहार के आशुतोष अमन के एक सत्र में सर्वाधिक 68 विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्हें हालांकि अपने तीसरे विकेट के लिए काफी पसीना बहना पड़ा। उन्होंने एमडी निधीश (एक) को एलबीडब्ल्यू आउट कर रणजी सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।सरवटे ने अपना बल्ला फ्रंटफुट के पास रख रक्षात्मक रवैया अपनाया लेकिन हर्ष की गेंद अतिरिक्त उछाल ली और स्थानापन्न फील्डर अमन मोखड़े ने आसान कैच पकड़ लिया। सरवटे ने 185 गेंद की पारी में चौथे विकेट के लिए कप्तान के साथ 63 रन जोड़े। सचिन बेबी ने इसके बाद निजार के साथ पांचवें विकेट के लिए 49 रन और अजहरुद्दीन के साथ छठे विकेट के लिए 59 रन साझेदारी खाने वाली गेंद को छोड़ने के लिए बल्ला ऊपर उठा दिया लेकिन गेंद अधिक घुमाव के साथ उनके पैड से टकरा गयी। मैदानी अंपायर अनिल चौधरी ने शॉट न खेलने के कारण बल्लेबाज को पगबाधा घोषित कर दिया। निजार ने डीआरएस लिया लेकिन रीप्ले में भी गेंद विकेटों से टकरते दिखी।अजहरुद्दीन फ्लिक करने का प्रयास किया नलकंडे की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। दूसरे छोर पर केरल के कप्तान बेबी ने संघर्ष जारी रखा लेकिन शतक से चूक गए। अपनी पारी में धैर्य से बल्लेबाजी करने वाले इस खिलाड़ी ने रेखाडे की गेंद को हवा में लहरा दिया और डीप मिडविकेट पर करुण नायर ने अच्छा कैच लपककर उनकी शानदार पारी को खत्म किया। अनुभवी जलज सक्सेना (28) और इडेन एप्पल टॉम (10) ने इसके बाद अति रक्षात्मक रूख अपनाया और यह जोड़ी आठवें विकेट के लिए 70 गेंद में 13 रन ही जोड़ सकी।

भारत को निश्चित तौर पर दुबई में खेलने का फायदा हो रहा है', द. अफ्रीका के इस स्टार का बयान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। डुसेन से पहले टखने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने वाले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट

कमिंस ने भी कहा था कि दुबई में रहने से भारत को काफी फायदा होगा। पाकिस्तान के मुख्य कोच आकिब जावेद ने टीम के खराब प्रदर्शन के बाद इस बारे में बयान दिया था। दक्षिण अफ्रीका के शीर्षक्रम के बल्लेबाज रसी वान डर डुसेन ने कहा कि यह जानने के लिए 'रॉकेट साइंटिस्ट' होने की जरूरत नहीं है कि भारत को चैंपियंस ट्रॉफी में दुबई में खेलने का फायदा मिल रहा है। डुसेन को लगता है कि वहां के हालात को भारत अच्छी तरह से पहचान गया है और इससे उनपर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव बन रहा है। भारतीय टीम अपने सारे मैच दुबई में खेल रही है और अगर फाइनल में पहुंचती है तो वह भी दुबई में ही खेला जाएगा, जबकि बाकी टीमों के मैच पाकिस्तान में हो रहे हैं। वान डर डुसेन ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, 'निश्चित तौर पर भारत को फायदा है। मैंने देखा कि पाकिस्तान इस बारे में बोल रहा था, लेकिन फायदा तो है। आप एक ही जगह पर, एक ही होटल में रह रहे हैं, एक ही मैदान पर अभ्यास कर रहे हैं और एक ही पिच पर खेल रहे हैं तो फायदा तो है।' उन्होंने कहा, 'यह जानने के लिए किसी के रॉकेट साइंटिस्ट होने की जरूरत नहीं है, लेकिन भारत पर हालात का पूरा फायदा उठाने का भी दबाव होगा।' उन्होंने कहा, 'इससे उन पर अधिक दबाव बनता है क्योंकि जो भी सेमीफाइनल या फाइनल में उनके खिलाफ खेलेगा, वह वहां जाएगा और परिस्थितियां विदेशी होंगी, लेकिन वे (भारत) इसका उपयोग करने वाले हैं। उन पर अपने फैसले को सही साबित करने का दबाव होगा।' भारत ने अब तक बांग्लादेश और पाकिस्तान के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज की है और चार मार्च को होने वाले सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

फैंस के लिए खुशखबरी, शुभमन गिल ने विश्राम वाले दिन नेट गेंदबाजों और सहयोगी स्टाफ के साथ अभ्यास किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। गिल ने बुधवार को भारतीय टीम के साथ अभ्यास नहीं किया था जिसके बाद उनकी उपलब्धता पर कयास लगाए जा रहे थे। बीसीसीआई प्रबंधन ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह ठीक हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच के लिए अपनी उपलब्धता की अटकलों पर विराम लगाते हुए भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल गुरुवार को प्रशिक्षण के लिए आधिकारिक विश्राम के दिन कुछ सहयोगी स्टाफ के साथ अभ्यास के लिए आईसीसी क्रिकेट अकादमी आए। गिल बुधवार को अभ्यास छोड़ने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे। उन्होंने विशेषज्ञों और यूएई के नेट गेंदबाजों

के थ्रो-डाउन के साथ दो घंटे तक मेहनत की।गिल ने बुधवार को भारतीय टीम के साथ अभ्यास नहीं किया था जिसके बाद उनकी उपलब्धता पर कयास लगाए जा रहे थे। बीसीसीआई प्रबंधन ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह ठीक हैं और आराम के लिए एक दिन की छुट्टी ले रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में लगभग 300 रन बनाने के बाद गिल ने चैंपियंस ट्रॉफी के शुरुआती मैच में बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाया था। भारत को अपने आखिरी ग्रुप मुकाबले में न्यूजीलैंड से भिड़ना है। यह मुकाबला दो मार्च को दुबई में खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

10 साल में जन औषधि ने मरीजों के 30 हजार करोड़ बचाए, जागरूकता के लिए एक सप्ताह अभियान चलाने का फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के सीईओ रवि दधिचि ने बताया कि बीते 31 जनवरी तक देश में जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़कर 15 हजार तक पहुंची है जिसे अगले कुछ वर्ष में 25 हजार तक लेकर जाने का लक्ष्य है। सस्ती और किफायती दवाओं के लिए भारत का जन औषधि मॉडल अब जमीनी स्तर पर हजारों करोड़ों रुपये की बचत के रूप में दिखाई देने लगा है। बीते 10 साल में जन औषधि दवाओं ने मरीजों के 30 हजार करोड़ रुपये बचाए हैं। लोगों के बीच जेनेरिक दवाओं के प्रति जागरूकता लाने के लिए केंद्र सरकार ने एक सप्ताह तक अभियान शुरू करने का फैसला लिया है जिसका उद्घाटन शनिवार को दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा करेंगे। शुक्रवार को प्रधानमंत्री

भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के सीईओ रवि दधिचि ने बताया कि बीते 31 जनवरी तक देश में जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़कर 15 हजार तक पहुंची है जिसे अगले कुछ वर्ष में 25 हजार तक लेकर जाने का लक्ष्य है। इन दुकानों पर 2047 दवाएं और 300 तरह के सर्जिकल उपकरण शामिल हैं जो ब्रांडेड दवाओं की तुलना में खुदरा दुकानों पर 50ङ्घ से 80ङ्घ सस्ते में बेचे जा रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में जन औषधि केंद्रों की संख्या में 180 गुना वृद्धि हुई है। 2014 में केवल 80 केंद्र थे। वित्तीय वर्ष 2023-24 में जन औषधि ने 1,470 करोड़ रुपये का कारोबार किया जबकि चालू वित्त वर्ष में 31 जनवरी तक 1,606 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। इस तरह देश में जेनेरिक दवाओं की बिक्री में करीब 200 गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। जन औषधि केंद्रों पर महिलाओं के लिए ऑक्सी-बायोडिग्रेडेबल सेनेटरी नैपकिन भी उपलब्ध हैं जिनकी एक रुपये प्रति पैड कीमत है। अब तक इन केंद्रों से 72 करोड़ से अधिक सेनेटरी पैड बेचे गए। सीईओ ने बताया कि एंटीबायोटिक, एंटी-डायबिटीज, कार्डियोवैस्कुलर, एनाल्जेसिक व एंटीपयरेटिक, एंटी-एलर्जी, जैसी दवाएं यहां उपलब्ध हैं।सात मार्च को देश में जन औषधि दिवस का सातवां वर्ष मनेगा। इसके लिए एक मार्च से अभियान शुरू होगा। इसमें जगह-जगह जन औषधि जन चेतना अभियान या पदयात्रा निकलेगी। दो मार्च को जन आरोग्य मेला, तीन को जन औषधि बाल मित्र भागीदारी, चार को महिला भागीदारी, 5 को सेमिनार, 6 को जन औषधि मित्र पंजीकरण अभियान और 7 मार्च को जन औषधि उत्सव पूरे देश में एक साथ मनेगा। इस दौरान 200 केंद्रों की शुरुआत एक ही दिन होगी। पीएमबीजेपी सीईओ रवि दधिचि ने बताया कि सरकार जन औषधि केंद्र मालिकों को मासिक खरीद का 20ङ्घ प्रोत्साहन राशि दे रही है जो तकरीबन 20 हजार रुपये तक है। उत्तर-पूर्वी राज्यों, हिमालयी क्षेत्रों, द्वीप क्षेत्रों और नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिलों के अलावा महिला उद्यमियों, पूर्व सैनिकों, दिव्यांगों, एससी और एसटी द्वारा खोले गए केंद्रों को फर्नीचर, कंप्यूटर, रेफ्रिजरेटर और अन्य खर्च को पूरा करने के लिए दो लाख रुपये दिए जा रहे हैं।

पति ने अपनी 42 वर्षी पत्नी कि बेरहमी से मार कर कि हत्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रती कि शादी 25 वर्ष पहले महेंद्र बैगा पुत्र छोटकनी बैगा निवासी जुडौली थाना शाहगंज सोभद सोनभद्र से हुई थी ग्राम प्रधान जुडौली के द्वारा थाना शाहगंज के थानाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार को फोन कर के बताया कि गांव का एक व्यक्ति अपनी पत्नी को मार कर उस का शव अपने ही घर मे रखा है जिस कि सुचना मिलते ही थानाध्यक्ष अपनी टिम के साथ जिसमे उपनिरीक्षक दीनानाथ राम, हेड कास्टेबल सतोष यादव कास्टेबल मनोज भारती, महिला कास्टेबल सध्या पान्डेय के साथ मौके पर पहुंचे जहाँ पर मोतीलाल पुत्र स्वर्गीय बटखरी निवासी जुडौली थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र के रहने वाले है उनके द्वारा लिखिती सूचना दि गई कि मेरी लडकी रती कि हत्या मेरे दामाद महेंद्र बैगा पुत्र छोटकनी बैगा निवासी जुडौली थाना शाहगंज सोनभद्र से हुई थी दिनांक 26. 02.2025 को महेंद्र ने मेरी लड़की को मारा पीटा था जिसकी आज मृत्यु हो गई,तहरीर के आधार पर मु0अ0 सं0 24 /2025 धारा 105 ॅ.ॅ.ए. बनाम महेंद्र बैगा उपरोक्त पंजीकृत हुआ पश्चात फॉरेंसिक टीम बुलाई गई, साक्ष्य संकलन के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है अग्रिम विधि कार्रवाई की जा रही है, लॉ एण्ड ऑर्डर कोई समस्या नहीं है, थानाध्यक्ष शाहगंज।

गोल्डेन फ्यूचर पब्लिक स्कूल में किया गया विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।जनपद के करमा ब्लाक अन्तर्गत ग्राम सभा मधुपुर में स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक सोच को आगे बढ़ाने था। इस मौके पर स्कूली बच्चों ने विज्ञान मॉडलों का प्रदर्शन किया। स्कूल के बच्चों के अभिभावकों और अन्य ने बच्चों द्वारा बनाये गये मॉडलों का 5 से अंकित ने वाल्केनो,अंकित ने माइक्रोस्कोप, आंशिक ने जनरेटर,कक्षा 4 से शुभम कुमार ने एयर कुलर की प्रस्तुति दी। नन्हें

के लिए स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बच्चों ने भी लाइटर गन से लेकर पॉल्यूशन और अन्य बेहतरीन मॉडल प्रस्तुत किया विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने पेश किए बेहतरीन मॉडल स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक सोच को आगे बढ़ाने के लिए स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बच्चों ने भी लाइटर गन से लेकर पॉल्यूशन और अन्य बेहतरीन मॉडल प्रस्तुत किया। मधुपुर स्थित गोल्डेन फ्यूचर पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्देशक राजदेव मौर्य ने कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी का उद्देश्य बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना अवलोकन किया। बच्चों ने भी प्रस्तुत मॉडल की विस्तार से जानकारी दी। कक्षा 4 से 08 वीं तक के बच्चों ने अलग-अलग विषयों पर मॉडल प्रस्तुत किये। विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने पेश किए बेहतरीन मॉडल विज्ञान प्रदर्शनी में स्कूल के 86 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कक्षा 8 की प्रिंसी विश्वकर्मा ने वाटर प्यूरिफिकेशन मॉडल, आरती चौहान ने वोर्किंग ऑफ लंग्स, सूर्यांश ने विंडमिल , कक्षा 7 की श्रेया ने वाटर फिल्ट्रेशन, दिव्या ने रैन वाटर हार्वेस्टिंग , आदित्य बाबू ने टेस्ला कॉइल, कक्षा 6 से आर्यन प्रजापति ने स्मार्ट होम, अंशिका मौर्या ने वॉटर प्यूरिफिकेशन, अनुष्का ने स्मार्ट एग्रीकल्चर,नंदिता ने चंद्रयान 3, कक्षा वैज्ञानिक भी किसी से कम नहीं प्रदर्शनी का अवलोकन करते गोल्डेन फ्यूचर पब्लिक स्कूल के निर्देशक राजदेव मौर्य ने बच्चों के मॉडल देखकर कहा कि बच्चों ने साबित कर दिया कि वे नन्हें वैज्ञानिक से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की विज्ञान प्रदर्शनी से बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण की कल्पना को बढ़ावा मिलता है। प्रदर्शनी को सफल बनाने में प्रधानाचार्य बृजबिहारी लाल मौर्य, धीरेंद्र चौहान, नरेंद्र मौर्य, प्रमोद कुमार, अनिल, अमित चौरसिया, राजेंद्र प्रसाद मौर्य, बेचू राम, वेदिका केशरी, अर्चना, मीरा, उजाला, रीता देवी, नीतू, ज्योति, राखी, बाबूलाल का सराहनीय योगदान रहा।

एवियर ओलंपिया 2के25 के विजेताओं को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। सेक्टर 62 स्थित एवियर कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन में

आयोजित खेल महोत्सव ठएवियर ओलंपिया 2ख्25ठ का समापन भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया के पूर्व कार्यकारी निदेशक डॉ. पी.सी. कश्यप, विशिष्ट अतिथि दुर्गा स्पोर्ट्स के निदेशक चंद्र मणि शर्मा, कॉलेज के चेयरमैन संदीप सिंह व एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमरेश सिंह ने खेल महोत्सव में हुए शतरंज, कैरम, योग, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, एथलेटिक्स, क्रिकेट, टग ऑफ वार, कबड्डी, और फुटबॉल खेल के विजेताओं को पुरस्कृत किया। मुख्य अतिथि डॉ. पी.सी. कश्यप ने कहा कि खेलों से न केवल शारीरिक और मानसिक विकास होता है, बल्कि अनुशासन और नेतृत्व क्षमता भी विकसित होती है। ऐसे आयोजनों से युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मंच मिलता है। मैं विजेताओं को बधाई देता हूँ और सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। कॉलेज के चेयरमैन संदीप सिंह ने कहा कॉलेज हमेशा से शिक्षा के साथ खेल-कूद को भी बढ़ावा देता रहा है। हमारा उद्देश्य छात्रों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। यह टूर्नामेंट विद्यार्थियों में खेल भावना और टीम वर्क को विकसित करने का एक शानदार माध्यम रहा।इस अवसर पर अविनाश सिंह, एचओडी रविता सिंह, दीपिका शर्मा, मनप्रीत कौर, दीप्ति सक्सैना, अंजली जगतियानी, लोकेश चौहान, नवीन, शहजाद, सुधाकर आदि मौजूद थे।

वरिष्ठ जनों के विधिक अधिकार विषय पर आयोजित किया गया शिविर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला

विधिक सेवा प्राधिकरण राज कुमार सिंह के निर्देशानुसार व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,रायबरेली के तत्वाधान में वृद्धजन आवास (वृद्धाश्रम), आई0टी0आई0 कैम्पस दूरभाष नगर, रायबरेली में आवासित वृद्धजनों के देख-रेख, खानपान, रहन-सहन आदि हितों से सम्बन्धित मामलों के सम्बन्ध में अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा वृद्धजन आवास का निरीक्षण किया गया। सचिव द्वारा अधीक्षक वृद्धाश्रम से आवासित वृद्धों की देखभाल व खान-पान के सम्बन्ध में चर्चा की। निरीक्षण उपरांत वृद्धजनों के विधिक अधिकार विषय पर विधिक साक्षरता जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर जिला जज/सचिव अनुपम शौर्य के द्वारा उपस्थित वृद्धजनों को यह बताया गया कि कैसे आप अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहे। इस अवसर पर वृद्धाजनों को उनके निःशुल्क अधिकारों के विषय पर जानकारी दी गयी एवं बताया गया कि किसी भी प्रकार की निःशुल्क विधिक सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली के कार्यालय में किसी कार्यदिवस में उपस्थित होकर अपनी शिकायत दर्ज कराकर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस शिविर में वृद्धजनों को वृद्धा पेंशन, आधार कार्ड व आयुष्मान कार्ड बनवाये जाने के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा अधीक्षक वृद्धाश्रम धनंजय सिंह को वृद्धजनों के उक्त कार्डों को अद्यतन किये जाने व बनवाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया। उक्त शिविर में स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

एक दिवसीय रोजगार मेले में 383 प्रतिभागी चयनित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली द्वारा सत्य साई महाविद्यालय गंगौली ऊँचाहार, रायबरेली में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमें

शिवशक्ति बायोटेक्नॉलाजी लि0, इनोविजन लिमिटेड, ब्राइट फ्यूचर आर्गेनिक हर्बल, एसपीएनएन बिजनेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, एस0के0 सेफ्टी विंग्स प्राइवेट लिमिटेड, महादेव हनुमान विजय प्लेसमेंट सर्विसेज, टीम प्लस एच0आर0 सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड एवं अन्य कम्पनी के प्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न पदों हेतु कुल 576 प्रतिभागियों का साक्षात्कार किया गया जिसमें से 383 प्रतिभागियों को प्राथमिक रूप से चयनित किया गया।रोजगार मेले का शुभारम्भ विजय बहादुर सिंह सेंगर, जिला सेवायोजन अधिकारी, रायबरेली एवं वैभव त्रिपाठी, प्रबंधक, सत्य साईं महाविद्यालय गंगौली, ऊँचाहार, रायबरेली द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं माता सरस्वती की वन्दना कर किया गया। विजय बहादुर सिंह सेंगर द्वारा उपस्थित अतिथियों एवं अभ्यर्थियों को रोजगार मेले के उद्देश्य एवं प्रासंगिकता के बारे में विस्तार से बताया गया। सुगन्धा सिंह, सहायक जिला रोजगार सहायता अधिकारी द्वारा प्रतिभाग करने वाली कम्पनी के पदों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। सर्वेश कुमार राय द्वारा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी कॅरियर काउन्सिलिंग की गयी। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 मनोज कुमार शुक्ला द्वारा जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली एवं कम्पनी के प्रतिनिधियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। महाविद्यालय के दीनानाथ त्रिपाठी, अरूण कुमार, आशीष कुमार पाल, अशोक यादव, गौरव सिंह, आनन्द व अर्जुन प्रसाद एवं जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली के रामेन्द्र कुमार, वाई0पी0, एन0सी0एस0 द्वारा मेले के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान किया गया।

तमिल सरकार की दो-भाषा नीति से अवसरों से वंचित युवा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। त्रि-भाषा नीति के खिलाफ अपना हमला जारी रखते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के युग में छात्रों पर किसी अन्य भाषा का बोझ डालने की कोई आवश्यकता नहीं है। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने शुक्रवार को राज्य की भाषा नीति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य सरकार की कठोर दो-भाषा नीति के कारण दक्षिणी तमिलनाडु के युवा अवसरों से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने इसे अनुचित बताते हुए कहा कि दक्षिणी तमिलनाडु उपेक्षित हो चुका है। राज्यपाल रवि ने सोशल मीडिया मंच पर कहा कि यहां के युवा पड़ोसी राज्यों के युवाओं की तुलना में खुद को पिछड़ा हुआ महसूस कर रहे हैं, जिसका मुख्य कारण राज्य सरकार की दो-भाषा नीति है।

जयमोहिनी पोख्ता में बोलेरो व ट्रक की टक्कर में 04 लोगो की हुयी दर्दनाक मौत 04 हुए घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चंदौली। नौगढ़- मधुपुर मार्ग पर जयमोहिनी पोस्ता गाँव के पास में कल गुरुवार बीती रात्रि करीब 11:30 बजे बोलेरो व ट्रक की भीषण टक्कर हुई। आमने सामने कि टक्कर में बोलेरो सवार कुल 04 लोगो कि दर्दनाक मौत हो गई जबकि 04 अन्य घायल हो गये। बताया जा रहा है कि किसी कार्यक्रम को सम्पन्न कर सभी पालपुर सैदूपुर चकिया से रेनूकोट जा रहे थे। वहीं मृतकों में ईश्तखार अहमद उर्फ प्रधान पुत्र शेरा अली निवासी पालपुर थाना चकिया चंदौली उम्र 45 वर्ष लगभग, अख्तर अंसारी पुत्र अज्ञात उम्र 50 वर्ष लगभग, हकीमुन निशा पत्नी शाहजहाँ उम्र 35 वर्ष लगभग, सायना पुत्री राजा उम्र 7 वर्ष लगभग समस्त निवासी गण कमरहट्टी कोलकाता शामिल है। वही इस घटना में नूर अहमद पुत्र स्व0 अली अकबर रोशन आरा पत्नी शाहिद, साबरा खातून पत्नी अनवर अली, अफसाना खातून पत्नी नूर अहमद व तीन बच्चियां एक 2 वर्ष एक 5 वर्ष एक 8 वर्ष लगभग समस्त निवासी कमरहट्टी कोलकाता। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक को छोड़ कर मौके से फरार हो गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों द्वारा उक्त मामले की सुचना पुलिस को दिया गया। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस सभी शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही में जुट गई। वहीं घायलों का इलाज ट्रामा सेंटर चल रहा है जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

सोनभद्र में 226 वाहनों का चालान, 5 निरुद्धः हाईवे पर नो पार्किंग जोन में खड़ी करने पर कार्रवाई, पुलिस ने दी सुरक्षा की जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। उत्तर प्रदेश परिवहन आयुक्त के निर्देशानुसार जनपद में हाईवे और मुख्य मार्गों पर अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान जारी है। अभियान के क्रम में शुक्रवार को वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर मनमाने ढंग से छोटे बड़े वाहनों को खड़ा करने वाले 226 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 5 वाहनों को निरुद्ध भी किया गया। वही मुख्य मार्गो से 36 वाहनों को हटवाया भी गया। एआरटीओ प्रशासन धनवीर यादव ने बताया कि हाइवे के किनारे तमाम बड़े छोटे वाहन होटल, ढाबा, पंचर, पेंटिंग, मैकेनिक पेट्रोल पम्प, वाहन एजेंसियों व प्रतिष्ठान के सामने खड़े होते है। ऐसे में हाईवे पर मनमाने ढंग से खड़े हो रहे वाहन हादसे का कारण बन रहे हैं। आए दिन सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के साथ लोग मौत की मुंह में समा जा रहे हैं। परिवहन व यातायात विभाग की ओर से ऐसे लोगों को पूर्व में भी नोटिस जारी करके

वाहन न खड़ा कराने का अपील किया गया था बावजूद लोग मानने को तैयार नहीं है। जिस पर शुक्रवार को सडक हादसें को रोकने के लिए डीएम व एसपी के निर्देश पर परिवहन विभाग के एआरटीओ धनवीर यादव, यातायात प्रभारी अविनाश कुमार सिंह व कोतवाल सतेन्द्र कुमार राय के साथ हाइवे पर खडे हो रहे ट्रकों का हटवाने के लिए निकल पड़े। अधिकारियों ने सड़क किनारे नो पार्किंग जोन में खड़े 226 वाहनों का चालान किया। साथ ही 5 वाहन निरुद्ध भी किया गया। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से नो पार्किंग जोन में सड़क के किनारे वाहनों के खड़ा होने से दुर्घटनाएं हो रही है या संभावना बना रहता है। एआरटीओ ने उपसा के अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है कि अगर जो गाड़ी हाइवे पर खराब होती है तो उसको तत्काल पेट्रोलिंग वाहन से सड़क से दूर किनारे खड़ा कराये। जिससे यातायात भी प्रभावित न हो सके। इनसेट वाहन चालकों से आह्वान किया जा रहा है कि वह सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए निर्धारित सीमा में ही वाहन चलाएं और सड़क के किनारे गाड़ी खड़ी न करें। अगर ऐसा पाया गया तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कई स्थानों पर खड़े वाहन जाम का कारण भी बन रहे हैं। धनवीर यादव, एआरटीओ प्रशासन, सोनभद्र।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित

सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा

मो0न0 09415608783

RNI No. UPHIN/2012/41154

website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

विद्यालय परिसर में धूमधाम से संपन्न हुआ हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। राबर्ट्सगंज ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय अखाड़ा मोहाल पर शुक्रवार को हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि सदर ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत रहे , अतिथि द्वारा सरस्वती कि प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर खण्ड शिक्षा अधिकारी रॉबर्ट्सगंज धनंजय सिंह द्वारा बुके व स्मृति चिन्ह प्रदान करने के उपरान्त अध्यापिकाओं द्वारा लगाए गए टी एल एम प्रदर्शनी का अवलोकन किया तत्पश्चात बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, बाल वाटिकाकि नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्री प्राइमरी शिक्षा बाल वाटिका स्कूल रेडनेस के कार्यक्रम पर प्रकाश डाला गया ,वंडर बॉक्स तथा उसके उपयोग पर सुरुचिपूर्ण प्रदर्शन किया गया,11 न्याय पंचायत के 55 बच्चों व बाल वाटिका के नोडल अध्यापकों तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार वितरण किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से डी सी प्रशिक्षण जय किशोर वर्मा,अर्चना तिवारी ,कमलेश सिंह,मदन सिंह,धर्मेंद्र उपाध्याय ,संदीप पांडेय,वरुण त्रिपाठी, आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ,बृजबाला सिंह,अनामिका आंचल,प्रतिमा द्विवेदी, कुंजलता त्रिपाठी,रंजना सिंह,देव नारायण सिंह , वंदना सिंह,मंजू सोनकर,अन्य अध्यापक व अध्यापिका में उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन ए आर पी हृदेश सिंह द्वारा किया गया।

बभनी सीएचसी में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति जल्द होः एआईपीएफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट ने बभनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ के रिक्त पदों को तत्काल नियुक्ति का मुद्दा उठाया है। इस संबंध में नागरिकों ने डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक को पत्र भेजकर मांग की है कि बभनी सीएचसी को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु जनरल फिजिशियन, शल्य चिकित्सा व स्त्री रोग विशेषज्ञ व पैरामेडिकल स्टाफ के रिक्त पदों पर तत्काल नियुक्ति की जाए और अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित किया जाए। स्वास्थ्य मंत्री के संज्ञान में लाया गया कि बभनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में समुचित इलाज हेतु आवश्यक संसाधनों के अभाव में मजबूरन बहुतायत मरीजों को जिला अस्पताल अथवा अन्य अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है । जिला अस्पताल की यहां से तकरीबन डेढ़ सौ किमी दूर है। महिलाओं के प्रसव जैसे मामलों में जटिल स्थिति पैदा होने पर इतनी दूर

ले जाना संभव नहीं है। इससे सुरक्षित प्रसव के अभाव में महिलाओं की मृत्यु तक हो जाती हैं। ऐसे में नागरिकों की इन बेहद जरूरी सवालों को हल करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। गौरतलब है कि सरकार की गाइडलाइंस के अनुसार प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक जनरल फिजिशियन, शल्य चिकित्सा, बाल रोग और स्त्री रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों की अनिवार्य रूप से नियुक्ति का प्रावधान है। सरकार का यह भी शासनादेश है कि सोनभद्र जैसे महत्वकांक्षी अति पिछड़े जनपदों में एक भी सरकारी पद खाली न रहें। बावजूद इसके बभनी समेत जनपद के अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों के बहुतायत पद रिक्त हैं। खासकर किसी भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्त्री रोग विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं है। इसी तरह पैरामेडिकल स्टाफ के पद भी खाली हैं। पत्र में हस्ताक्षर करने वाले प्रमुख लोगों में एआईपीएफ जिला सचिव इंद्रदेव खरवार, बीडीसी सदस्य गंगोत्री देवी, युवा मंच के श्याम ज्ञान, ललिता देवी रौनियार, राम जीत खरवार, देव कुमार खरवार, गोपाल दास जायसवाल, अयोध्या प्रसाद रौनियार, नंद कुमार जायसवाल, संजय कुमार जायसवाल, दीपक सिंह, जगदीश प्रसाद, हीरालाल खरवार, राम कुमार जायसवाल, आदित्य, प्रताप सिंह, धर्म सिंह, अजय कुमार, प्रदीप, अरविंद, वीरेन्द्र, मानिक चंद, कमलेश, विकास, विनोद, जुगेश कुमार, शुभम जायसवाल, रितेश जायसवाल , राम लखन आदि शामिल रहे।